NNI
हर खबर पर पक्की नजर
मूल्यों और आदर्शों के कर्म पथ पर जनहित की आवाज
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
सत्यता व निष्पक्षता का पंचम वर्ष
www.nnindianews.com
वर्ष :05, अंक :-132, पृष्ठ : 12 | मंगलवार, 18 नवम्बर, 2025 | मूल्य- 03.00 रुपये मात्र

सुसाइड बॉम्बिंग शहीद होने का मिशन

दिल्ली धमाके से पहले आतंकी डॉ. उमर का बनाया गया वीडियो आया सामने

नई दिल्ली। दिल्ली में लाल किला के पास 10 नवंबर को आत्मघाती हमला करने वाले आतंकी डॉ. उमर का नया वीडियो सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह वीडियो आतंकी ने ब्लास्ट से पहले बनाया था। इसमें वह आत्मघाती हमले को लेकर बात रख रहा है। इससे माना जा रहा है कि वह फिदायीन हमला पहले से प्लान कर रहा था।

वीडियो में उमर टूटी-फूटी अंग्रेजी में बात कर रहा है। उसने कहा- एक बात जो नहीं समझी गई कि यह शहीद होने के लिए ऑपरेशन (मार्टरडम ऑपरेशन) है, न कि सुसाइड हमला। इसको लेकर कई विरोधाभास हैं। दरअसल मार्टरडम ऑपरेशन के लिए माना जाता है कि कोई व्यक्ति निश्चित रूप से किसी जगह पर निश्चित समय पर जान देता है। दरअसल, डॉ. उमर ने ही दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुंडई आई 20 कार से आत्मघाती धमाका किया था। इस धमाके से 15 लोगों की मौत, 20 से ज्यादा घायल हुए थे। मामले में अब तक 8 लोगों की गिरफ्तारी हुई है, इसमें से 6 डॉक्टर है। जांच एजेंसियां इस मॉड्यूल के बाकी सदस्यों और तकनीकी सपोर्ट नेटवर्क की पहचान में जुटी है।

इधर, हमले की जांच में सोमवार रात बड़ा खुलासा हुआ है। एनआईए ने बताया कि वाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल पहले हमास की तरह ड्रोन और रॉकेट से हमला करना चाहता था। यह प्लानिंग हमास द्वारा 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर किए गए हमले की तर्ज पर बनाई गई थी। एनआईए को यह जानकारी आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर-उन-नबी के एक और साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश की गिरफ्तारी के बाद मिली। दानिश जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड का रहने वाला है। एनआईए ने उसे चार दिन पहले श्रीनगर से हिरासत में लिया था और सोमवार को औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया।

एनआईए के अनुसार दानिश को छोटे ड्रोन हथियार बनाने और उन्हें मॉडिफाई करने का तकनीकी अनुभव है। उसने डॉ. उमर को तकनीकी मदद दी और आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए ड्रोन और रॉकेट तैयार करने की कोशिश कर रहा था। एजेंसी ने बताया कि दानिश भीड़भाड़ वाले इलाके में ड्रोन से बम गिराने की योजना पर काम कर रहा था, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाया जा सके।

सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में खूंखार नक्सली हिड़मा ढेर, पत्नी और छह नक्सलियों के शव बरामद

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लगातार नक्सलियों के खात्मे के लिए राज्य पुलिस और सुरक्षा बलों के जवानों का एंटी नक्सल ऑपरेशन जारी है। सुकमा से एक बड़ी खबर सामने आई है, जहां मुठभेड़ में खूंखार नक्सली हिड़मा के मारे जाने की खबर है। कहा जा रहा है कि मुठभेड़ के दौरान हिड़मा के साथ उसकी पत्नी राजे भी मारी गई है।

जानकारी के लिए बता दें कि आंध्र प्रदेश के ग्रेहाउंड जवानों का सर्चिंग ऑपरेशन लगातार जारी है। मुठभेड़ छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश के बॉर्डर पर अल्लूरी सीतारामराजू जिले के मारेडुमिली में पुलिसझमाओवादियों के बीच हुई है। जिसमें छह नक्सली ढेर हुए हैं। मारेडुमिली क्षेत्र में सुबह सुरक्षाबलों और माओवादियों के

बीच जोरदार मुठभेड़ हुई। जानकारी के अनुसार सुबह 6 बजे से 7 बजे के बीच हुई इस फायरिंग में दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलीं मुठभेड़ के दौरान छह माओवादी मारे जाने की पुष्टि हुई है, जिनमें एक माओवादी शीर्ष नेता भी शामिल होने की सूचना है। घटनास्थल पर सुरक्षा बलों का कंबिंग ऑपरेशन जारी है और आसपास के घने जंगलों में तलाशी तेज कर दी गई है।

लखनऊ एक्सप्रेसवे पर डबल डेकर बस पलटी, तीन यात्रियों की मौत

कानपुर। बिल्हौर के अरौल थानाक्षेत्र अंतर्गत आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर मंगलवार तड़के सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दिल्ली से बिहार जा रही एक डबल डेकर बस अनियंत्रित होकर पलट गई, जिससे मौके पर ही तीन यात्रियों की मौत हो गई और दो दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस वक्त हुआ जब बस दिल्ली से बिहार की तरफ जा रही थी और बिल्हौर के अरौल थानाक्षेत्र में एक्सप्रेसवे पर मोड़ के पास पहुंची। भोर का समय होने के कारण संभवतः चालक नियंत्रण खो बैठा और बस पलट गई। हादसा इतना भीषण थी कि बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची।

घायलों को तत्काल सीएचसी ले जाया गया। वहीं, 15 लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें कानपुर के हैलट अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मृतकों की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है।

55 दिन खुली हवा में सांस... अब फिर सलाखों के पीछे भेजे आजम खां

बेटे के साथ रामपुर की जेल में बैरक नंबर एक नया ठिकाना

रामपुर। 55 दिन खुली हवा में सांस लेने के बाद सपा नेता आजम खां को रामपुर जेल भेज दिया गया। पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम इसी साल 25 फरवरी को हरदोई जेल तो आजम खां 23 सितंबर को सीतापुर जेल से छूटे थे लेकिन दो पैनकार्ड मामले में अदालत से सजा सुनाए जाने के बाद दोनों को फिर जेल भेज दिया गया।

सपा नेता आजम खां रामपुर विधानसभा सीट से दस बार विधायक रहे चुके हैं। वह प्रदेश में चार बार कैबिनेट मंत्री भी रहे हैं। इसके अलावा को 2019 में रामपुर संसदीय सीट से लोकसभा का चुनाव जीते थे और एक बार वह राज्यसभा के सदस्य भी रहे हैं। उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा भी विधायक और राज्यसभा सदस्य रही हैं।

उनके पुत्र अब्दुल्ला वर्ष 2017 में विधायक तो बन गए लेकिन उम्र के विवाद में हाईकोर्ट ने उनकी विधायकी निरस्त कर दी। अब्दुल्ला 2022 में फिर से स्वार सीट से विधायक बने थे। दरअसल शैक्षिक

प्रमाणपत्रों में अब्दुल्ला आजम की जन्म तिथि 01 जनवरी 1993 है। इसके हिसाब से वह 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान न्यूनतम आयु की सीमा को पूरा नहीं करते थे। ऐसी स्थिति में उन्होंने अपनी जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 बताकर चुनाव लड़ा। वर्ष 2017 में जब अब्दुल्ला ने सपा के टिकट पर चुनाव जीता था तो उनके मुकाबले बसपा के प्रत्याशी रहे नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने उनके निर्वाचन को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में चुनावी याचिका दायर की थी। हाईकोर्ट ने उनकी चुनाव याचिका पर अपना फैसला देते हुए अब्दुल्ला की विधायकी को निरस्त कर दिया था।

अब्दुल्ला इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले गए लेकिन सुप्रीम कोर्ट से भी उनको झटका लगा था। सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा नेता और वर्तमान में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने जहां दो जन्म प्रमाणपत्र का मामला दर्ज कराया वहीं दूसरी ओर सिविल लाइंस थाने में 2019 में ही दो पैन कार्ड होने का भी मामला दर्ज कराया था।

दोषी ठहराए जाने के बाद आजम और अब्दुल्ला आजम को कड़ी सुरक्षा के बीच रामपुर जेल ले जाया गया। जेलर सुनील सिंह ने बताया कि आजम और उनके बेटे अब्दुल्ला को बैरक नंबर एक में रखा गया है। कहा कि लंबी सजा पाए कैदी को यहीं रखा जाता है। ये बैरक सीसीटीवी से लैस है।

दिल्ली ब्लास्ट की जगह सक्रिय थे 68 संदिग्ध मोबाइल फोन

खुलासाः इन पर पाकिस्तान और तुर्किये से आई कॉल

नई दिल्ली। लाल किला के पास हुए बम धमाके की जांच के दौरान पुलिस को कुछ चौकाने वाले सुराग मिले हैं। सूत्रों के मुताबिक अभी तक की जांच में पता चला है कि कुल 68 संदिग्ध मोबाइल नंबर सुनहरी बाग पार्किंग और बम धमाके वाली जगह पर एक्टिव थे। यही 68 मोबाइल नंबर अब जांच का केंद्र बन गए हैं। सूत्रों का कहना है कि इन नंबरों पर पाकिस्तान और तुर्किये से कॉल आई थीं।

पाकिस्तान और तुर्किये से आने वाली कॉल, इंटरनेट रूटिंग और विदेशी सर्वर से जुड़ रहे फोन पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। धमाके के बाद पुलिस ने सुनहरी बाग और लाल किला के पास मोबाइल टॉवर से डंप डाटा उठाया। उसकी मदद से कई तकनीकी जानकारियां सामने आई हैं। अब जांच उसके आधार पर आगे बढ़ाई जा रही है।

सूत्र बताते हैं कि संदिग्ध नंबरों पर धमाके से ठीक पहले भारतीय नेटवर्क पर असामान्य डेटा-स्पाइक्स (डाटा का आदान-प्रदान हुआ) दर्ज कराया गया। सबसे अहम जानकारी विस्तृत फोन-मैपिंग के जरिये मिली है। डॉ. उमर की कार सुनहरी बाग पार्किंग में तीन घंटे से अधिक समय तक खड़ी रही उस दौरान उसके 30 मीटर के दायरे में 187 फोन नंबर सक्रिय पाए गए।

बम विस्फोट जहां हुआ वहां पर पांच मिनट पहले और पांच मिनट बाद कुल 912 फोन सक्रिय मिले। दोनों स्थानों की डिजिटल लोकेशन-हिस्ट्री के मिलान में कुल 68 मोबाइल नंबर ऐसे मिले जो दोनों जगह पर उसी समय सक्रिय थे। यही 68 नंबर जांच का केंद्र बन गए हैं। सूत्रों की मानें तो इनमें से कई नंबर एक ही विदेशी सर्वर से जुड़े हैं, जिसने पाकिस्तान और तुर्किये दोनों देशों के बीच लगातार आइपी-क्लस्टर के बीच लगातार स्विच ओवर दिखाया है। जांच एजेंसियां आशंका जता रही हैं कि इन सबके के लिए अलग-अलग प्रॉक्सी सर्वर का इस्तेमाल हुआ।

जांच एजेंसियां पता लगा रही हैं कि कौन-कौन से फोन विस्फोट से कुछ मिनट पहले किस विदेशी आईपी से लिंक हुए। शुरुआती जांच में घटना स्थल पर मौजूद दो फोन ऐसे मिले हैं, जिनमें मिनट-टू-मिनट लोकेशन शिफ्ट हुई। इससे संकेत मिलता है कि फोन को ह्रास्पूफह्न (यानी दूसरे नेटवर्क पर डाला गया) किया गया। इनका जांच एजेंसियां पता लगा रही हैं।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की पत्नी अंजलि तेंदुलकर व बेटी सारा तेंदुलकर ने सोमवार को बाबा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में टेका मत्था। मंदिर कॉरिडोर की भव्यता देख मंत्रमुग्ध हो गई। दोनों ने कहा कि काशी नगरी पहले से और भव्य-दिव्य हो गई है।

शेख हसीना को सजा-ए-मौत

मानवाधिकार संगठन की दो टूक-मामले में ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न निष्पक्ष-न न्यायसंगत'

ढाका। मानवाधिकार से जुड़े मामलों में सबसे अग्रणी संस्थाओं के तौर पर शुमार एमनेस्टी इंटरनेशनल ने बांग्लादेश में शेख हसीना को फांसी की सजा सुनाए जाने के फैसले का विरोध किया है। ब्रिटेन आधारित इस संस्था ने कहा है कि हसीना और उनके कार्यकाल में गृह मंत्री की भूमिका निभाने वाले असदुज्जमां खान के खिलाफ ट्रिब्यूनल की कार्यवाही न तो निष्पक्ष थी और न ही न्यायसंगत थी। दूसरी तरफ हसीना की सजा को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की मानवाधिकार एजेंसी-यूएनएचआरसी ने चिंता जताई है। यूएनएचआरसी ने इस मामले में तय प्रक्रिया, निष्पक्ष सुनवाई के मानकों पर जोर दिया और साथ ही मौत की सजा का पूर्ण विरोध किया है।

गौरतलब है कि बांग्लादेश में सोमवार को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और असदुज्जमां को मौत की सजा सुनाई थी। उन्हें पिछले साल जुलाई में हुए

विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों का दोषी करार दिया गया। हालांकि, मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटों बाद जारी एक बयान में, एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा- शेख हसीना को मौत की सजा सुनाने से 2024 के नरसंहार के पीड़ितों को न्याय नहीं मिलेगा। एजेंसी की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने कहा, जुलाई और अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुए घोर उल्लंघनों और मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपों के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार लोगों की जांच की जानी चाहिए और निष्पक्ष सुनवाई के जरिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। हालांकि, न तो यह कार्यवाही और न ही सजा कहीं से भी निष्पक्ष और न्यायोचित है।

सऊदी में ही दफनाए जाएंगे 45 भारतीयों के शव

रियाद। सऊदी अरब के मक्का-मदीना हाईवे पर रविवार देर रात हुए बस हादसे में जान गंवाने वाले 45 भारतीय नागरिकों के शव वापस नहीं लाए जाएंगे। ये सभी उमरा (इस्लामी तीर्थयात्रा) के लिए सऊदी गए थे।

तेलंगाना मंत्रिमंडल ने कल फैसला लिया है कि मारे गए लोगों को उनके धार्मिक रीति-रिवाजों के मुताबिक सऊदी अरब में ही दफनाया जाएगा। हर पीड़ित परिवार से दो लोग अंतिम संस्कार में शामिल होने सऊदी अरब भेजे जाएंगे। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, परिजन को शव भारत वापस लाने या मदीना के जन्नतुल बकी में दफनाने का ऑप्शन दिया जाएगा। हालांकि सऊदी कानून के मुताबिक शवों की वापसी काफी मुश्किल है। वहीं, पीड़ित

परिवारों को तुरंत मुआवजा मिलाना भी काफी मुश्किल है, क्योंकि सऊदी अरब में सड़क दुर्घटनाओं में सरकार की ओर से कोई सीधा मुआवजा नहीं दिया जाता।

मुआवजा तभी मिल सकता है जब पुलिस जांच में टैंकर ड्राइवर या कंपनी की गलती साबित हो और परिवार कानूनी दावा दायर करे। यह प्रक्रिया कई महीनों तक चल सकती है। सऊदी हज और उमरा मंत्रालय के मुताबिक, यात्रा शुरू करने से पहले तीर्थयात्रियों को एक डिक्लेरेशन फॉर्म पर साइन कराने पड़ते हैं। इसमें क्लियर लिखा होता है कि अगर सऊदी अरब की जमीन पर (मक्का, मदीना या कहीं भी) तीर्थ यात्री की मौत होती है, तो शव को वहीं दफनाया जाएगा। वहीं, भारत सरकार के मुताबिक अगर किसी गैर-तीर्थयात्री भारतीय की सऊदी में मौत होती है, तब मृतक के कानूनी उत्तराधिकारियों की इच्छानुसार शव को भारत लाया जा सकता है या सऊदी अरब में दफनाया जा सकता है।

स्वामी वीरेन अग्रवाल प्रकाशक विवेक खंडेलवाल मुद्रक इम्प्रेशन प्रिंटिंग एवं पैकेजिंग लिमिटेड, सिकंदरा रोड, गुरु का ताल, आगरा से मुद्रित एवं बृज वैलबिल्ट प्राइवेट लिमिटेड, फ्लैट 302 तीसरी मंजिल ब्लॉक E /11/8 संजय प्लेस आगरा से प्रकाशित। RNI Registration No., UPHIN/2021/88376। प्रधान संपादक अरविन्द सिंह। चेयरमैन-स्वतंत्र कुमार। प्रबंध निदेशक ब्रजेश सिकरवार। E MAIL newsnextindia1@gmail.com, Website:-www.nnindianews.com
(प्रधान संपादक इस अंक में समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी है)

NNI
हर खबर पर पक्की नजर
मूल्यों और आदर्शों के कर्म पथ पर जनहित की आवाज
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
www.nnindianews.com

डिवाइडर से टकराई बाइक, दो की मौके पर ही मौत

एनएनआई

मथुरा। फरह में डिवाइडर से बाइक टकराने ने दो दोस्तों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पुलिस पहुंच गई।

फरह क्षेत्र में एनएच 19 पर दोपहर एक बजे करीब सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। रांची बांगर, टाउनशिप निवासी तीन दोस्त बिट्टू उर्फ विवेक (20), दीपक उर्फ नागेश (21) और पारस (17) बाइक से टाउनशिप से आगरा की ओर जा रहे थे। रास्ते में फरह के स्टेट बैंक के सामने ट्रक को ओवरटेक करने में उनकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई हादसे में तीनों युवक उछलकर सड़क के दूसरी ओर जा गिरे। मौके पर ही बिट्टू और दीपक की मौत हो गई, जबकि पारस गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल पारस को आगरा रेफर किया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है।

बांकेबिहारी मंदिर में तनातनी

वायरल वीडियो में एएसपी अनुज चौधरी और मृदुलकांत शास्त्री की नाराजगी दिखी

मथुरा। बांके बिहारी मंदिर में पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दर्शन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था और भीड़ के कारण कुछ तनातनी और धक्कामुक्की हुई। गलियों और मंदिर के अंदर की अव्यवस्था का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें एएसपी अनुज चौधरी द्वारा एक सेवायत का कालर पकड़ने और मृदुलकांत शास्त्री अपनी बगलबंदी फटने से नाराज दिखाई दिए। इस दौरान मध्य प्रदेश के पुलिसकर्मियों को जमकर कोसा भी। लेकिन सोमवार को इन दोनों ही घटनाओं पर खंडन आ गए।

मंदिर सेवायत व उच्चाधिकार प्रबंधन समिति में शामिल दिनेश गोस्वामी ने बताया कि एएसपी अनुज चौधरी द्वारा कालर खींचने की घटना उनके सामने की है। उन्होंने बताया कि धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री लगभग 150 किमी की पदयात्रा के बाद मंदिर पहुंचे। पहले से तय पांच लोगों की अनुमति थी, लेकिन कुछ बाहरी लोग और यूट्यूबर बिना अनुमति घुसने की कोशिश कर रहे थे। एएसपी

अनुज चौधरी और मंदिर सुरक्षा गार्डों ने स्थिति को नियंत्रित किया। अनुज चौधरी ने अव्यवस्था रोकने के लिए काफी देर बाद आवश्यक कार्रवाई की।

दिनेश गोस्वामी ने स्पष्ट किया कि घटना में किसी गोस्वामी या सेवायत के साथ अभद्र व्यवहार नहीं किया गया है। यह व्यवहार उन दो लोगों के साथ हुआ, जो व्यवस्थाएं बिगाड़ने की साजिश रच रहे थे। इसी तरह शिल्पा शेट्टी भी विगत दिन पहले दर्शन करने आईं तो व्यवस्थाएं बिगाड़ी गई थीं। उन्होंने कहा कि इसकी रिपोर्ट उच्चाधिकार प्रबंधन समिति के समक्ष रखेंगे, वहीं एसएसपी को भी यह रिपोर्ट देनी चाहिए। जबकि दूसरे प्रश्न कि मंदिर गलियों में पुलिस-गार्ड में मारपीट हुई तो बोले कि इसकी जानकारी नहीं है।

दूसरी प्रसारित वीडियो में मृदुलकांत शास्त्री अपनी फटी हुई बगलबंदी को लेकर बाहर की पुलिस पर बरसते हुए दिखाई दे रहे थे। रविवार को प्रसारित वीडियो के बाद मृदुलकांत शास्त्री ने कुछ अभद्रता की बात कही थी, लेकिन सोमवार को उनका सुर बदल गया। उन्होंने कहा कि यात्रा सफल रही, दर्शन हुए और प्रशासन ने पूरा सहयोग किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यात्रा का उद्देश्य सनातनी हिंदुओं की एकता थी।

सोमवार को शांतिपूर्ण हुए दर्शन और भीड़ भी रही कम

सोमवार को बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या अपेक्षाकृत कम रही। सनातन एकता पदयात्रा के अधिकांश पदयात्री अपनी यात्रा पूरी कर चुके थे, इसलिए मंदिर खाली रहा। दिनभर हजारों श्रद्धालु आए और आराम से दर्शन किए। पब्लिक धीरे-धीरे और रुक-रुककर चलती रही, जिससे कुछ होल्डिंग बैरियरों के पास थोड़े बहुत भीड़ के हालात बने, लेकिन श्रद्धालुओं की संख्या काफी सीमित थी। ऐसे में श्रद्धालुओं को सुरक्षित और शांतिपूर्ण दर्शन का अवसर मिला।

पार्सल डिलीवरी के नाम पर ठगी करने वाले 2 गिरफ्तार:फर्जी फर्म बनाकर करते थे ठगी

एनएनआई

फिरोजाबाद। साइबर क्राइम पुलिस ने पार्सल डिलीवरी के नाम पर देशभर में हजारों लोगों से करोड़ों रुपए की ठगी करने वाले दो शातिर ठगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से ठगी में इस्तेमाल मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित जस्टडायल पर फर्जी फर्म बनाकर डिलीवरी कंपनियों से ग्राहकों का डेटा हासिल करते थे। इसके बाद वे खुद को डिलीवरी एजेंट बताकर ग्राहकों को कॉल करते और पार्सल चार्ज, री-डिलीवरी शुल्क आदि के नाम पर पैसे मंगवाते थे। भुगतान होते ही वे ग्राहकों का नंबर ब्लॉक कर देते थे। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अंकित फिरोजाबाद , भीम फरुर्खाबाद के रूप में हुई। दोनों ने स्वीकार किया कि वे करीब दो वर्षों से यह गिरोह चला रहे थे और 1500 से अधिक लोगों को ठगी का शिकार बना चुके हैं। एनसीआरपी पोर्टल पर इनके खिलाफ दो दर्जन से अधिक शिकायतें दर्ज हैं।

यह कार्रवाई एसएसपी सौरभ दीक्षित के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तारी भारत सरकार के प्रतिबिम्ब/समन्वय पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के विश्लेषण के आधार पर हुई। दोनों आरोपितों के खिलाफ थाना साइबर क्राइम, फिरोजाबाद में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपितों को अदालत में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

हाथरस में राजमार्ग पर मैक्स पलटी, यातायात प्रभावित

हाथरस। सिकंदराराऊ थाना क्षेत्र के गांव मुगल गढ़ी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार देर रात एक मैक्स गाड़ी पलट गई। यह हादसा रात करीब 1:30 बजे हुआ, जब अलीगढ़ से एटा की ओर जा रही मैक्स अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में ड्राइवर और क्लीनर को मामूली चोटें आईं, जबकि यातायात कुछ समय के लिए प्रभावित हुआ।

ग्रामीणों के अनुसार ड्राइवर को झपकी आने के कारण गाड़ी अनियंत्रित हुई और डिवाइडर से टकराकर सड़क पर ही पलट गई। मैक्स बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसका अगला पहिया भी निकल गया। मौके पर मौजूद अन्य वाहन रुक गए और आसपास के ग्रामीण भी मदद के लिए पहुंचे। उन्होंने ड्राइवर और क्लीनर को गाड़ी से बाहर निकाला। सूचना मिलने पर हाईवे सहायता टीम एंबुलेंस और क्रेन के साथ घटनास्थल पर पहुंची। क्रेन की मदद से पलटी हुई गाड़ी को सीधा कर सड़क के किनारे हटाया गया, जिसके बाद यातायात सुचारु रूप से बहाल हो सका।

तीन दिन से लापता दो मासूमों के शव यमुना में मिले

एनएनआई

मथुरा। मांट मूला गांव के तीन दिन से लापता दो मासूमों के शव सोमवार सुबह यमुना में मिलने से गांव में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव नदी से बाहर निकलवा कर पहचान कराई है। फिर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

मांट क्षेत्र के मांट मूला गांव के रहने वाले सात वर्षीय भोला और छह वर्षीय प्रिंस तीन दिन पहले दोपहर में घर से खेलने के लिए निकले थे। काफी देर तक नहीं दिखे तो स्वजन और ग्रामीण बच्चों को तलाश में जुट गए। लेकिन किसी भी तरह का सुराग नहीं मिला।

ग्रामीणों ने बताया कि बच्चों को आखिरी बार यमुना नदी के किनारे खेलते हुए देखा गया था। इसी आधार पर स्वजन और गांव के लोगों ने नदी के आसपास भी गहन तलाशी की, लेकिन बच्चे नहीं मिले। सोमवार सुबह आठ बजे स्थानीय लोगों ने यमुना नदी में दो शव दिखाई दिए। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। मांट थाना प्रभारी जसबीर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाले। स्वजन ने दोनों की पहचान कर ली। बच्चों के शव मिलने की खबर जैसे ही गांव में पहुंची कोहराम मच गया। रोते-बिलखते स्वजन का हाल देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। मांट थाना प्रभारी ने बताया कि प्रारंभिक अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों बच्चे खेलते-खेलते नदी किनारे पहुंच गए होंगे और पानी की ओर बढ़ने पर अचानक फिसलकर गहरे हिस्से में चले गए होंगे। गांव में इस घटना को लेकर मातम पसर गया।

NNI हर खबर पर पक्की नज़र न्यूज नेक्स्ट इंडिया

ऑटो सवार बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़

एक के पैर में लगी गोली, पांच गिरफ्तार

एनएनआई

आगरा। थाना एकता क्षेत्र में सक्रिय ट्रांसफार्मर चोरी गैंग को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। घटना रमाडा कट के पास की है, जहां मुखबिर की सूचना पर सर्विलांस सेल, एसओजी और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने एक संदिग्ध ऑटो को रोकने का प्रयास किया। रोकने पर ऑटो में सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में एक बदमाश धर्मवीर के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने घायल बदमाश सहित उसके चार अन्य साथियों को भी मौके से गिरफ्तार कर लिया। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस को बदमाशों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, दो जिंदा कारतूस, घटना में प्रयुक्त ऑटो, तथा चोरी किए गए ट्रांसफार्मर का एल्युमिनियम और कॉपर तार बरामद हुए हैं। एसीपी पीयूष कांत राय का कहना है कि यह गिरोह क्षेत्र में ट्रांसफार्मर की चोरी की कई घटनाओं में शामिल रहा है, जिनका खुलासा अब गिरफ्तारियों के बाद संभव हो सकेगा।

नाला निर्माण के दौरान ढही ढाबे की दीवार

एनएनआई

आगरा। नाला निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही बड़ा हादसा करा सकती थी। सोमवार रात ढही स्थित एक ढाबे की दीवार अचानक ढह गई। हादसे के समय अंदर 50 वर्षीय कारीगर ढाबे के अंदर ही सो रहे थे, जो मलबे के गिरने से कुछ सेकंड पहले बाहर निकल आए और बाल-बाल बच गए।

ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के आरबी डिग्री कॉलेज के सामने नवीन यादव पुत्र अर्जुन सिंह निवासी बजरंग नगर का अमरदीप ढाबा मौजूद है। क्षेत्र में कई महीनों से नाला निर्माण का कार्य चल रहा है। नाला निर्माण के कारण संचालक द्वारा सोमवार को ढाबा बंद कर रखा था। संचालक नवीन ने बताया कि दोपहर के समय उन्होंने ठेकेदार को निर्माण को लेकर सावधानी बरतने के कहा गया था। बावजूद इसके ठेकेदार की टीम ने बिना सपोर्ट हटाए दीवार के बिल्कुल सटकर खुदाई कर दी थी, जिससे ढाबे की दीवार कमजोर होकर भरभराकर गिर गई। घटना के समय ढाबे के अंदर दीवार से सटकर उनके यहाँ काम करने वाले 50 वर्षीय तपेश और छोटा भाई नीरज सो रहे थे।

ढाबा संचालक ने बताया कि दीवार गिरने से बाहरी दीवार, तंदूर, भट्टी, बाहर की ओर बना कमरा और टीन शेड सहित अन्य सामग्री दबकर खराब हो गई। जिसका नुकसान करीब दो से ढाई लाख रुपये आंका गया है। प्रभावितों ने नगर निगम व निर्माण कर रहे ठेकेदार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए मुआवजे की मांग की है।

सूचना पर स्थानीय पुलिस और निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। निगम अधिकारियों ने घटना की जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। स्थानीय लोगों का कहना है कि नाले का निर्माण कई दिनों से बिना किसी सुरक्षा मानक के चल रहा है। उन्होंने मांग की है कि पूरी प्रक्रिया सुरक्षित तरीके से कराई जाए, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों। घटना के कुछ समय पहले ही लापरवाही के चलते सौ फुटा रोड पर मौजूद ओम वाटिका के समीप स्थित कृष्णा बिल्डिंग मेटेरियल की दीवार भी अचानक भरभराकर कर गिरी थी। उक्त दुकानदार द्वारा भी ठेकेदार और नाला निर्माण कर रही टीम पर लापरवाही का आरोप लगाया गया था।

ताजमहल समेत सभी स्मारकों में कल मिलेगा मुफ्त प्रवेश

एनएनआई

आगरा। 19 नवंबर को ताजमहल, आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, एत्माउदौला समेत सभी स्मारकों में निशुल्क प्रवेश मिलेगा। 19 नवंबर से शुरू हो रहे विश्व धरोहर सप्ताह के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने यह फैसला लिया है। इस संबंध में अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. स्मिता की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। विश्व धरोहर सप्ताह के दौरान 25 नवंबर तक विभिन्न स्मारकों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

आदेश में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 19 ताजमहल में केवल प्रवेश निशुल्क रहेगा। मुख्य गुंबद में प्रवेश के लिए लोगों को 200 रुपये का अतिरिक्त टिकट खरीदना होगा। इस पर कोई छूट नहीं मिलेगी।

महिला को बेहोश कर सोने-चांदी के जेवरात लूटे

एनएनआई

आगरा। टेडी बगिया से शाहदरा जा रही एक महिला को अज्ञात युवक ने बेहोश कर उसके सोने-चांदी के जेवरात और नकदी लूट लिए। घटना शनिवार शाम करीब 3:50 बजे मनोहर गार्डन के पास की बताई गई है। ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के जशवंत नगर, शाहदरा निवासी दुर्गेश देवी अपने गांव से आगरा लौट रही थीं। टेडी बगिया से उन्होंने 100 फुटा रोड के लिए एक ऑटो लिया। पुल पार कर जब वह अपने घर की ओर पैदल जा रही थीं, तभी एक अज्ञात युवक उनके पास आया और रामबाग का रास्ता पूछने लगा। महिला ने दिशा बताई, तभी युवक ने उन पर कुछ फूंक मारी, जिससे वह मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं। होश में आने पर उन्होंने देखा कि उनके कानों के सोने के कुंडल, सोने की अंगूठी, पैरों की चांदी की पायल और पर्स में रखे करीब 2000 रुपये चोरी हो चुके थे। पीड़िता ने तत्काल घटना की जानकारी परिवार को दी और थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई।

थाना ट्रांस यमुना प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर अज्ञात युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी का सुराग लग सके।

वैधानिक सूचना

सुधि पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गये तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति विज्ञापन दाता खुद ही जिम्मेदार है, पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहानिक जानकारी कर लें। किसी भी विज्ञापन से पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो न्यूज नेक्स्ट इंडिया के मुद्रक, प्रकाशक या संपादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

- प्रबंधक विज्ञापन

समाचार पत्र में छपे किसी भी लेख के लिए प्रधान संपादक उत्तरदायी नहीं है। प्रकाशित विभिन्न रचनाओं के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी है। समाचार पत्र में प्रकाशित सामिग्री / विज्ञापन आदि से प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र सिर्फ आगरा होगा।

ताज सुरक्षा पुलिस ने छात्राओं को किया जागरूक

एनएनआई

आगरा। ताजमहल घूमने पहुंचे मध्यप्रदेश के रीवा स्थित विद्या ज्योति पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं और महिलाओं का थाना ताज सुरक्षा की क्विक रिस्पांस टीम ने गर्मजोशी से स्वागत किया। पुलिस कमिश्नर आगरा दीपक कुमार के निर्देशन, एसीपी ताज सुरक्षा पीयूष कांत राय के नेतृत्व और प्रभारी निरीक्षक ताज सुरक्षा शिवराज सिंह के पर्यवेक्षण में यह कार्यक्रम मिशन शक्ति फेस-5 के तहत आयोजित किया गया।

टीम ने छात्राओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूक किया। इस दौरान बालिकाओं को सुरक्षित एवं सुखद वातावरण उपलब्ध कराने के साथ पुलिस ने महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी, जिनमें 1090 (वूमेन पावर हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 108 (एंबुलेंस), 102 (गर्भवती एवं शिशुओं हेतु एंबुलेंस सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन) और 1930 (साइबर हेल्पलाइन) शामिल रहे।

साथ ही छात्राओं को महिला हेल्पडेस्क, महिला बीट अधिकारी, एंटी रोमियो स्क्वाड, महिला साइबर सेल और शासन की विभिन्न महिला सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं-के संबंध में भी उपयोगी सुझाव साझा किए।

एसएन मेडिकल कॉलेज ने एटीएस को भेजे डॉ. परवेज के रिकॉर्ड

एनएनआई

आगरा। एसएन मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने दिल्ली कार धमाके के मामले में गिरफ्तार डॉ. परवेज अंसारी और जम्मू-कश्मीर से जुड़े चिकित्सकों के रिकॉर्ड एटीएस को भेजे हैं। बीते सोमवार को एटीएस ने कॉलेज प्रशासन से इनके विवरण मांगे थे। डॉ. परवेज अंसारी ने एसएन मेडिकल कॉलेज से 2012-15 में एमडी की पढ़ाई की थी। पढ़ाई पूरी होने के बाद 6 महीने तक चिकित्सकीय सेवाएं भी दीं। इसके बाद त्यागपत्र दे दिया था। लखनऊ में इसकी गिरफ्तारी के बाद एटीएस ने एसएन कॉलेज प्रशासन से डॉ. परवेज के शैक्षणिक रिकॉर्ड, उसके साथ पढ़ने वाले जम्मू-कश्मीर के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के बारे में जानकारी तलब की थी।

साथ ही कॉलेज प्रशासन से 2024-25 में एमबीबीएस, एमएस-एमडी करने वाले उत्तर प्रदेश के बाहर के छात्र-छात्राओं और चिकित्सकों के बारे में भी रिकॉर्ड मांगा था। खासतौर से जम्मू-कश्मीर के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों का विवरण अलग से तलब किया था। इस पर कॉलेज प्रशासन ने डॉ. परवेज अंसारी के हॉस्टल कमरा नंबर 23, एमडी की पढ़ाई के रिकॉर्ड, पुस्तकालय में विजिट, उसका पता समेत अन्य जानकारी मेल के जरिये भेज दी है। वर्तमान में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की जानकारी भी भेजी गई है। पुलिस सूत्र बताते हैं कि एसएन में जम्मू-कश्मीर के एक या दो ही छात्र हैं, शिक्षक कोई नहीं है। इनका पता, नाम और कोर्स की जानकारी भी मेल की है।

NNI
हर खबर पर पक्की नजर
मूल्यों और आदर्शों के कर्म पथ पर जनहित की आवाज
दैनिक हिन्दी समाचार पत्र
न्यूज नेक्स्ट इण्डिया
आगरा
www.nnindianews.com
मंगलवार, 18 नवम्बर, 2025

विद्यालय समेत वित्तविहीन विद्यालयों के प्रबंधकों ने मंडलायुक्त को दिया ज्ञापन

- अन्य जिलों की तरह आगरा में भी किया जाए भारत निर्वाचन आयोग की नियमावली का पालनः विधायक डॉ. आकाश अग्रवाल

एनएनआई

आगरा। आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में निर्वाचन संबंधी अनियमितता और विसंगति पर तत्काल रोक लगाने के लिए शिक्षक- विधायक डॉ. आकाश अग्रवाल के नेतृत्व में वित्त विहीन विद्यालयों के प्रतिनिधियों द्वारा सोमवार को मंडलायुक्त कार्यालय में मंडलायुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह को ज्ञापन दिया गया। शिक्षक-विधायक डॉ. आकाश अग्रवाल ने कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक आगरा द्वारा शिक्षक मतदाताओं के वोट बनाए जा रहे हैं। लगभग 22 हजार फॉर्म जमा हो चुके हैं लेकिन डीआईओएस आगरा द्वारा अज्ञानता वश 10 हजार से अधिक शिक्षकों के मतदाता फॉर्म निरस्त कर दिए गए हैं जिसके कारण वह वोट नहीं डाल पाएंगे, जबकि एटा, इटावा, अलीगढ़ सहित अन्य जिलों में भारत निर्वाचन आयोग की नियमावली का पालन किया जा रहा है। आगरा में भी इस नियमावली का पालन करते हुए शिक्षकों के वोट बनाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि मंडलायुक्त 12 जिलों के एकमात्र निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी हैं। इन्हीं के दिशा निर्देश पर 12 जिलों में शिक्षक मतदाताओं के वोट बन रहे हैं। 12 जिलों के लिए एक ही निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी होने के बावजूद इनमें एकरूपता नहीं है। इसलिए इनको ज्ञापन देकर तुरंत कार्यवाही के लिए कहा गया है। अगर दो-चार दिन में समाधान नहीं निकला तो आंदोलन किया जाएगा। शैलेंद्र तिवारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग की स्पष्ट गाइडलाइन है कि जो फार्म प्रधानाचार्य द्वारा प्रमाणित होगा, उसी को जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा अग्रसारित कर निर्वाचन कार्यालय में जमा करवाना होगा लेकिन आगरा के जिला विद्यालय निरीक्षक ऐसा नहीं कर रहे। मंडलायुक्त शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि मतदाता सूचियों के निर्माण का कार्य चल रहा है। आवेदन पत्रों की जाँच लगभग अंतिम चरण पर है। ज्ञापन का परीक्षण करवा लिया जाएगा। माननीय चुनाव आयोग के निर्देश के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर शिक्षक- विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह बिष्ट, राजेश अरेला, संदीप मुखरैया, सुरेंद्र सक्सेना, अरविंद कटारा, निसार अहमद, वीके सिंह, अजय यादव, जावेद खान, विशेष वर्मा, संदीप उपाध्याय, सचिन शर्मा, मनोज यादव, पवन शर्मा और रामवीर फौजदार भी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

शिक्षार्थियों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी को किया मंत्रमुग्ध

एनएनआई

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान में उसके 25वें स्थापना रजत जयंती वर्ष के अवसर पर आयोजित लालित्योत्सव की श्रृंखला में कार्यक्रम संख्या-13 के अंतर्गत ललित कलाओं का महत्व एवं भविष्य विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना तथा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, नैनाना, आगरा से आए आमंत्रित आचार्यगणों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस कार्यशाला में संयोजक डॉ. देवाशीष गांगुली ने ललित कला संस्थान की विशिष्ट उपलब्धियों का परिचय कराया और कला शिक्षा के महत्व पर प्रेरणादायक विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान संगीत विभाग के शिक्षार्थियों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यशाला में विभिन्न कला विधाओं पर विशेषज्ञ सत्र आयोजित किए गए. संगीत एवं गायन की बारीकियों पर प्रकाश डाला, मूर्तिकला की महत्ता और तकनीकें समझाईं, चित्रकला के विविध आयामों पर मार्गदर्शन दिया, व्यावहारिक कला तथा छायांकन कला के नवीन दृष्टिकोण साझा किए। कार्यशाला की विशिष्टता तब और बढ़ गई जब जीजीआईसी सेमरा, आगरा के 412 विद्यार्थी एवं अन्य कला प्रेमियों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने ललित कला संस्थान के भ्रमण के दौरान उपलब्ध उच्च स्तरीय सुविधाओं, उन्नत प्रयोगशालाओं और विविध पाठ्यक्रमों में विशेष रुचि दिखाई।

कार्यक्रम ने न केवल विद्यार्थियों को कला के विविध आयामों से परिचित कराया, बल्कि ललित कलाओं के उज्ज्वल भविष्य की एक नई प्रेरणा भी प्रदान की। माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी के संरक्षण में आयोजित ऐसे आयोजनों से विश्वविद्यालय में रचनात्मकता, नवाचार और कला संस्कृति को निरंतर नया आयाम मिल रहा है।

ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अध्याय आज से शुरू

एनएनआई

आगरा। डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय 18 नवंबर को एक ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक अध्याय की शुरूआत करने जा रहा है। उज्बेकिस्तान स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ वर्ल्ड लैंग्वेजेज, ताशकंद का बारह-सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल इंडो-उज्बेक अकादमिक एवं सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय पहुंचेगा। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी जी के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को नई गति देता हुआ विश्वविद्यालय की वैश्विक पहचान को सुदृढ़ करेगा।

शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ते विश्वविद्यालय के लिए यह साझेदारी विशेष महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके माध्यम से छात्रझशिक्षक विनिमय, संयुक्त शोध, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और बहुभाषीय शैक्षणिक गतिविधियों के नए अवसर खुलेंगे। इंटरनेशनल रिलेशंस सेल इस पूरी प्रक्रिया को सक्रियता से संचालित कर रहा है। मिगमो यूनिर्विटी, रूस के साथ हुए हालिया एमओयू के सकारात्मक परिणाम भी सामने आ रहे हैं। रूसी छात्रों का आगरा में अध्ययन, भारतीय छात्रों का रूस प्रस्थान और 25 नवंबर से दो रूसी प्राध्यापकों का अध्यापन इसका प्रमाण हैं।

यूएसडब्ल्यूएलयू के साथ प्रस्तावित सहयोग में संयुक्त शोध, वर्चुअल कक्षाएँ, अनुवाद अध्ययन, बहुविषयक परियोजनाएँ और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल होंगे। प्रतिनिधिमंडल का कार्यक्रम विदेशी भाषाएँ विभाग से संवाद सत्र से शुरू होकर कुलपति महोदया के साथ उच्चस्तरीय बैठक और ताजमहल भ्रमण तक चलेगा। विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी ने बताया कि विश्वविद्यालय तेजी से वैश्विक पहचान प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। इस प्रकार की अंतरराष्ट्रीय साझेदारियां आने वाले समय में विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान देंगी। इंडोझउज्बेक अकादमिक एवं सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम विश्वविद्यालय की प्रगतिशील सोच का एक उत्कृष्ट उदाहरण है और यह सहयोग भविष्य में अनेक अकादमिक उपलब्धियों का मार्ग प्रशस्त करेगा। शिक्षण, शोध और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को विश्वस्तरीय बनाने हेतु तेजी से कदम बढ़ा रहा है। अंतरराष्ट्रीय संबंध सेल अध्यक्ष प्रो. प्रदीप श्रीधर ने इसे भविष्य की पीढ़ियों के लिए नए आयाम स्थापित करने वाली साझेदारी बताया। सचिव डा. प्रदीप वर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम भाषाई, तकनीकी, शोध, संस्कृति और बहुविषयक क्षेत्रों में भी साझेदारी विकसित कर रहे हैं। इसका दीरदर्शी परिणाम सामने आएगा।

जयपुर में शहर की संस्था सीआईवीआईसी का जलवा

150 से आयुष विशेषज्ञों की भागीदारी, प्राकृतिक उपचार पद्धतियों पर बना विश्व रिकॉर्ड

एनएनआई

आगरा। आगरा की प्रतिष्ठित संस्था सीआईवीआईसी काउंसिल फॉर इंटरनेशनल वैद्य इंटीग्रेशन एंड कोऑपरेशन द्वारा राजा पार्क, जयपुर स्थित होटल रमाडा में आयोजित इंटरनेशनल आयुष कॉन्क्लेव 3.0 जयपुर संस्करण में देश के 15 से अधिक राज्यों से आए 150 से अधिक आयुष चिकित्सकों एवं विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्राकृतिक समग्र उपचार पद्धतियों के आधार पर गट हेल्थ एवं बॉडी डिटॉक्स विषय पर सामूहिक प्रयास करते हुए लेजेंड्स वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में एक नया विश्व रिकॉर्ड दर्ज किया गया। आयोजन का नेतृत्व आगरा के डॉ. एमएम कुरैशी एवं सीए अभिषेक जैन ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक बालमुकुंद आचार्य, प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार सिंह, निदेशक, होम्योपैथी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अतिथियों ने विशेषज्ञों देशभर से आए आयुष विशेषज्ञों को आयुष डायमंड ऑनर, प्लेटिनम ऑनर, गोल्ड ऑनर, आयुष एंटरप्रेन्योर ऑनर एवं लेजेंड्स वर्ल्ड रिकॉर्ड्स प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में प्रो. (डॉ.) जयश्री राठवा, गुजरात, प्रो. (डॉ.) राजीव पेरेस, संकलचंद पटेल विश्वविद्यालय, प्रो. (डॉ.) रिंकू बिश्वास, प्रयागराज, डॉ. दिनेश बालाच, बाड़मेर आदि वरिष्ठ आयुष चिकित्सकों ने प्राकृतिक उपचार और वैज्ञानिक शोध पर अपने विचार रखे।

इंटरनेशनल आयुष कॉन्क्लेव के पहले आगरा संस्करण और फिर गोवा संस्करण की सफलता के बाद जयपुर में आयोजित तीसरे संस्करण ने देशभर में आयुष पद्धतियों के प्रति विश्वास, शोध और सहयोग के नए मानक स्थापित किए। सीआईवीआईसी के संस्थापक डॉ. एमएम कुरैशी और सीए अभिषेक जैन ने बताया कि संस्था का उद्देश्य आयुष पद्धतियों को वैज्ञानिक आधार पर मजबूत कर आगरा को राष्ट्रीय आयुष उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करना है।

पर्यटन मंत्री ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

एनएनआई

आगरा। मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति विभाग व जनपद प्रभारी मंत्री जयवीर सिंह सर्वप्रथम खंदौली, यमुना एक्सप्रेस-वे पहुंचे जहां.विधायक एत्मादपुर डॉ.धर्मपाल के सौजन्य से सरदार बल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में पदयात्रा में सहभागिता की, उक्त पद यात्रा खंदौली, यमुना एक्सप्रेस-वे से सेमरा रामलीला ग्राउण्ड पर जाकर समाप्त हुई,। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि युवा कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा पूरे भारत में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष में राष्ट्र की एकता दिवस के रूप में आगामी पीढ़ी को राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना याद दिलाने एवं राष्ट्र की एकता अखंडता के सम्मान की भावना बढ़ाने के लिए, पदयात्रा का आयोजन किया गया है। सरदार पटेल ने पांच सौ से अधिक विभिन्न जमींदारी, जागीरदारियों को खत्म करके भारत को एकजुट किया, उनकी पहचान राष्ट्र के शिल्पी के रूप में रही है, पदयात्रा का उद्देश्य राष्ट्र को सशक्त बनाने, अखंड भारत, एक भारत, श्रेष्ठ भारत, की रचना कैसे की जाए, भारत को किस तरह विकसित राष्ट्र बने,उसमें सभी लोगों की चाहे वह मजदूर हो। तत्पश्चात मंत्री व केन्द्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल की अध्यक्षता में जनपद के विकास कार्यों तथा कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक नवीन सर्किट हाउस सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जनपद प्रभारी मंत्री ने विगत बैठक की अनुपालन आख्या तलब की , जिसमें बताया गया कि सभी निदेशों का अनुपालन सुनिश्चित कर लिया गया है।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में सभी प्राथमिक, सामुदायिक, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर,जनपद स्तरीय अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता के लिए निर्देश दिए गये, सीएमओ द्वारा बताया गया कि आयुष्मान भारत योजना में 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों की संख्या 37094 है, प्रभारी मंत्री ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को चिन्हित कर सभी के आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के निर्देश दिए।

वेतन आने के बाद काम पर लौटे कर्मचारी

एनएनआई

आगरा। आगरा कैंट स्टेशन के सभी सफाई कर्मचारी वेतन न आने पर धरने पर बैठ गए। सेलरी के लेट आने के अलावा इनका कोई पीएफ नहीं कटता है ना ही कोई इंश्योरेंस, इन्हीं मांगों को लेकर पिछले महीने भी कर्मचारी स्ट्राइक पर बैठे थे तब भी ठेकेदार ने तमाम वादे किए थे जो एक भी पूरा नहीं किया गया। सोमवार को दोबारा सफाई कर्मचारियों ने धरना दे दिया और समाजसेवी एडवोकेट नरेश पारस ने भी सफाई कर्मचारियों को समर्थन दिया। करीब दो बजे सैलरी आने के बाद कर्मचारी काम पर लौटे। पीएफ और इंश्योरेंस के बारे में ठेकेदार ने बात करने को कहा है। हड़ताल में मुख्य रूप से अध्यक्ष बलराम सिंह, महामंत्री जॉन, उपाध्यक्ष निर्मल पूजा, संरक्षण अनिल शर्मा एवं सभी सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

एकता पदयात्रा में गूंजा बैर-भाव भुलाकर 'सदभावना' का संदेश

एनएनआई

एत्मादपुर। लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय भाजपा विधायक डा. धर्मपाल सिंह के नेतृत्व में खंदौली ब्लाक क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस-वे इंटरचेंज से सैमरा गांव तक निकाली गई एकता पदयात्रा में बैर-भाव भुलाकर सदभावना का संदेश गूंजा। पदयात्रा में बड़ी संख्या में भाजपाइयों संग क्षेत्रीय युवा और सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता शामिल हुए। सात किलोमीटर तक चली पदयात्रा में शामिल लोग हाथों में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा थामे चल रहे थे। रास्ते में भाजपा समर्थकों ने फूल बरसाकर पदयात्रियों का स्वागत किया।पदयात्रा के गांव सैमरा में पहुंचने पर हुई जनसभा में केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल, प्रदेश सरकार के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि पदयात्रा समाज में आपसी भाईचारे, एकता और देशभक्ति की भावना को मजबूत करने का कार्य करेगी। मेजबान विधायक डा धर्मपाल सिंह ने कहा कि समाज एकजुट होकर ही विकास, सदभाव और राष्ट्रहित की राह पर आगे बढ़ेगा। इस दौरान भाजपा महानगर अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, यात्रा प्रभारी अनिल चौधरी एवं भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष श्रीमती स्वदेश बघेल, पूर्व प्रधान योगेश सिकरवार मौजूद थे।

युवा अधिवक्ता संघ ने अधिवक्ता संघ की नवीन कार्यकारिणी का किया स्वागत

एनएनआई

आगरा। सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायालय में यमुना पर अधिवक्ता संघ की नवीन कार्यकारिणी का स्वागत किया गया, जिसमें संरक्षक देवी प्रसाद पांडे जीसी फॉरेस्ट, उदयवीर सिंह, ओपी अग्रवाल, अध्यक्ष नरेंद्र कुमार शर्मा एडवोकेट महासचिव भारत सिंह, एडवोकेट वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी, महेश्वरी उपाध्यक्ष जयंत कुमार आनंद, मीडिया प्रभारी विजय कुमार गुप्ता, वरिष्ठ अधिवक्ता नरेश, कोमल सिंह वर्मा, बबीना शांत, एसपी सिंह, एडवोकेट देव कुमार गौतम, वीरेंद्र पाल सिंह, आकाश शांत, अमन सेकरवार, राजेंद्र प्रसाद सिकंदर, शेर शिशुपाल सिंह बघेल सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष युवा अधिवक्ता संघ नितिन वर्मा ने कहा समाज के प्रत्येक क्षेत्र में अधिवक्ता सक्रिय भूमिका में रहते हैं। इसी कारण सभी क्षेत्रों में अधिवक्ताओं के साथ घटित होने वाली घटनाओं को रोकने के लिए एवं प्रभावी कार्रवाई किए जाने के लिए शहर के प्रमुख कॉलोनी एवं देहात क्षेत्र में रहने वाले अधिवक्ताओं के संगठन बनाए जाने का निर्णय लिया गया है। वर्तमान में ताजगंज क्षेत्र एवं यमुना पर संगठन सक्रिय हो चुके हैं। बहुत जल्द शपथ ग्रहण समारोह सभी इकाइयों का युवा अधिवक्ता संघ आगरा मंडल के माध्यम से किया जाएगा सभी अधिवक्ता साथियों का धन्यवाद नवागत अध्यक्ष नरेंद्र कुमार शर्मा एडवोकेट के द्वारा दिया गया।

पुरातात्विक संरचनाएं केवल पत्थर नहीं, सांस्कृतिक साक्ष्यः प्रो.इरफान

एनएनआई

आगरा/अलीगढ़। प्रख्यात इतिहासकार प्रो. इरफान हबीब ने कहा कि इतिहास से तथ्यों को हटाया या बदला नहीं जा सकता। तथ्यों का निर्माण नहीं किया जा सकता, स्थापित तथ्य ही इतिहास का आधार होते हैं। उन्होंने यह टिप्पणी सिविल सोसायटी ऑफ आगरा के प्रतिनिधियों अनिल शर्मा, राजीव सक्सेना और असलम सलीमी से चर्चा के दौरान की। उनका कहना है कि इतिहासकारों का काम तथ्यों को खोजकर प्रस्तुत करना है, ना कि नए तथ्य गढ़ना।

उन्होंने एक बार फिर कहा- हिस्टोरियन्स मस्ट प्रूव बाय एस्टैबलिशिंग फैक्ट्स, दे कैन्ट मैन्यूफैक्चर फैक्ट्स।चर्चा के दौरान आगरा व अलीगढ़ के उपेक्षित स्मारकों और उनके संरक्षण की जरूरत पर भी विस्तृत विचार हुआ। उन्होंने पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा प्रकाशित दुर्लभ दस्तावेज मा ॅन्यू मो ंट ला ऐंटीक्विटीज ऑफ नॉर्थ वेस्टर्न प्रोविंसेज का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पुरातात्विक संरचनाएं केवल पत्थर नहीं, सांस्कृतिक साक्ष्य हैं, जिन्हें बचाना महत्वपूर्ण है। यह जिम्मेदारी केवल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या राज्य पुरातत्व विभाग की नहीं, बल्कि नागरिक समूहों, इतिहास शोधकर्ताओं की भी है। प्रो. हबीब ने अपनी कम चर्चित परंतु बेहद मूल्यवान पुस्तक मुगल काल में ब्रज भूमिः राज्य, किसान और गोसाईं का भी जिक्र किया। सिविल सोसायटी ऑफ आगरा के सचिव अनिल शर्मा ने बताया कि वे प्रो. हबीब से तेरह मोरी बांध के संरक्षण के मुद्दे पर चर्चा करने पहुंचे थे। यह बांध फतेहपुर सीकरी के संरक्षण क्षेत्र का अभिन्न भाग है। पुरातत्व सर्वेक्षण संगठन ने इसे ऐतिहासिक स्मारक मानकर उसे फिर से उपयोगी बनाए जाने की अनुमति सिंचाई विभाग को दे दी है।

शिव सैनिको ने बाला साहब ठाकरे को श्रद्धांजलि अर्पित कर लिया हिन्दूत्व की रक्षा का संकल्प

आगरा (एनएनआई)। सोमवार को शिव सेना संस्थापक स्व. बाला साहब ठाकरे की पुण्य तिथि पर पूर्व घोषित कार्यक्रम अनुसार सैकड़ों शिव सैनिक पार्टी मुख्यालय पर एकत्रित होने शुरू हो गये थे। शिव सेना मुख्यालय पर वाला साहब ठाकरे को श्रद्धांजलि देने के लिये शिव सेनिक व्याकुल दिखाई पड़ रहे थे। जिला प्रमुख वीनू लवानियों ने शिव सेना संस्थापके बाला साहब ठाकरे के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर रोली चावल को टीका लगा, माल्य अर्पण कर, उनको नमन किया। उसके उपरान्त सैकड़ो शिव सैनिकों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजालि दी। शिव सैनिकों ने याला साहब को याद कर उनके समक्ष हिन्दुत्व की रक्षा का संकल्प लिया और जोर द्वार नारे बाजी करते हुऐ जय भवानी, जय शिवाजी, बाला साहब ठाकरे अमर रहे, अमर रहे, जब जके सुरुज चाँद रहेगा बाला साहेब का नाम रहेगा, शिव सेना जिन्दाबाद जिन्दबाद, के गगन चुम्बी नारे से पूरा परिसर गूंज रहा था। उन पुण्य तिथि पर शहर में अनेको कार्यक्रम जिसमें कुष्ट रोगीयो को दवा व फल और अस्पतालो में गरीब असाय मरीज व उन देख रेख वालो को फल और भोजन दिया चाला साहब ठाकरे के विचारों को देखते हुऐ शहर अनेकों कार्यकर्म तय किये । इस अवसर पर जिला प्रमुख वीनू लवानिया ने कहा की हिन्दू हृदय सम्राट शिव

सेनां संस्थापक स्व० बाला साहब बाल ठाकरे ने अपना सम्पूर्ण जीवन आम जनमानस की सेवा में समर्पित कर दिया। हिन्दूत्य की रक्षा के लिये अपने प्राणों का चिलदान दिया। हमस व शिव सैनिक उनके विचारों को मुख्याल पर आकर बाला साहब को श्रद्धांजलि अर्पित की कार्यक्रम में मुख्स रूप से जिला प्रमुख वीनू लावानिया, विनायक माने उप प्रमुख, कमल गुलाटी उप प्रमुख, रिंकू गोला महानगर सचिव, राकेश सचदेवा जिला महानसचिव, महावीर गोला उत्तरीय विधान सभा प्रमुख, अरूण कुमार शिव सेना नेता, रश्मी वर्मा, सेठ लच्छीराम, अंजली माहौर, कजल माहौर, हिमाशु माहौर, महेश, सतीश चौधरी, सुरेश चंद, अभिषेक, नितिन आदि मोजूद रहे।

भाजपा नेता दिगंबर धाकरे को पितृ शोक

आगरा एनएनआई। भाजपा नेता एवं रोटरी क्लब के पूर्व असिस्टेंट गवर्नर दिगंबर सिंह धाकरे के पिता एवं पूर्व प्रधान बहादुर सिंह धाकरे का रविवार देर शाम निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। सोमवार को उनका अंतिम संस्कार सिकंदरपुर गांव के मोक्षधाम में श्रद्धांजलि सभा के साथ हुआ। इस समय परिवारजन, रिश्तेदारों, सामाजिक संगठनों व राजनीतिक क्षेत्र के लोग मौजूद रहे। शोक सभा धाकरे फार्म हाउस से सुबह 10:30 बजे निकली थी। विभिन्न संगठनों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शोक संवेदनाएँ व्यक्त कीं।

रुनकता में बनेगा अष्ट सखी मंदिर और 20 बेड का आधुनिक हॉस्पिटल

आगरा एनएनआई। रुनकता में मानव सेवा और आध्यात्म का अनूठा संगम रचते हुए कृष्ण राधे की सरकार चैरिटेबल ट्रस्ट ने भव्य राधे-कृष्ण अष्टसखी मंदिर और 20 बेड के आधुनिक हॉस्पिटल निर्माण की घोषणा की है। वर्तमान में साईं बाबा मंदिर परिसर में संचालित आश्रम में 48 असहाय बच्चे और वृद्धजन सुरक्षित आश्रय पा रहे हैं, और इसी सेवा को विस्तार देने के लिए यह अभूतपूर्व परियोजना शुरू की गई है।

सोमवार को कनक पैलेस होटल, सिकंदरा रोड पर कृष्ण राधे की सरकार चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा उद्घोषणा समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रुनकता स्थित रेणुका धाम मार्ग पर बनने जा रहे भव्य राधा कृष्ण अष्टसखी मंदिर एवं असहाय लोगों के उपचार हेतु 20 बेड के हॉस्पिटल की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

मुख्य संरक्षक जितेंद्र चौहान ने बताया कि रुनकता के साईं बाबा मंदिर परिसर में संचालित देव आनंद दिव्यांग आश्रम में वर्तमान में 48 असहाय एवं बेसहारा बच्चे तथा वृद्धजन सुरक्षित आश्रय, भोजन और देखभाल प्राप्त कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि आश्रम पूरी तरह सेवा भाव पर आधारित है और इन्हीं लोगों के भविष्य, सुरक्षा व स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए यह बड़ा प्रकल्प आकार ले रहा है।

संस्थापक बाबा देवानंद (विजय मल्होत्रा) ने कहा कि साईं बाबा मंदिर से प्राप्त सहयोग और विभिन्न सामाजिक संगठनों व सेवाभावी व्यक्तियों की मदद से वर्षों से आश्रम संचालित होता आया है।

राधे-कृष्ण अष्टसखी मंदिर के निर्माण का उद्देश्य यह है कि मंदिर में आने वाली दान राशि का उपयोग सीधे आश्रय गृह के बच्चों व वृद्धों के उपचार, भोजन, शिक्षा और देखभाल पर किया जा सके।

उन्होंने बताया कि बरसाना के बाद आगरा में यह पहला इतना भव्य अष्टसखी मंदिर होगा। सफेद दूधिया संगमरमर से बनने जा रहे इस मंदिर की विशेषता यह होगी कि यह 51 सीढ़ियों वाला मंदिर होगा, जो शहर की एक नई धार्मिक पहचान बनेगा।

बाबा देवानंद ने बताया कि मंदिर परिसर में ही असहाय, बेसहारा और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए 20 बेड का आधुनिक हॉस्पिटल भी बनाया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि लीलावती हॉस्पिटल, मुंबई द्वारा इस परियोजना में सहायता प्रदान किए जाने का आश्वासन दिया गया है, जो आश्रम निवासियों की चिकित्सा सुविधा को अत्यंत सशक्त करेगा।

फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग परिषद अध्यक्ष एवं ट्रस्ट के नवमनोनीत अध्यक्ष पूरन डावर ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि यह परियोजना समाज और धर्म, दोनों के उत्थान का मार्ग प्रशस्त करती है।

उन्होंने कहा कि धर्म तभी सार्थक होता है जब समाज का हर वर्ग निरोगी और सुरक्षित हो। मैं इस सामाजिक-धार्मिक कर्तव्य को पूर्ण समर्पण से निभाऊँगा।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कामता प्रसाद अग्रवाल ने भी आश्रम और मंदिर-निर्माण से जुड़े सामाजिक कार्यों की सराहना की। उद्घोषणा समारोह में उमेश बंसल, सुमंत यादव, कुलदीप ठाकुर, अजय अग्रवाल, राहुल कुमार, पवन अग्रवाल, पवन विधिचंद अग्रवाल, बबलू प्रजापति, हरेंद्र सिंह, रिचा वार्ष्णेय, बबीता पाठक, हेमलता, विनोद कुमार, प्रमेंद्र सिकरवार, जय सिंह आदि उपस्थित रहे।

भगवान झूलेलाल पर अभद्र टिप्पणी से सिंधी समाज में आक्रोश

- पुलिस कमिश्नर से मिला सिंधी समाज का प्रतिनिधिमंडल
- सिंधी समाज ने अमित बघेल के खिलाफ कार्यवाही के लिए उठाई मांग
- जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का अध्यक्ष और क्रांति सेना का कथित नेता है अमित बघेल

एनएनआई

आगरा। सिंधी समाज के विभिन्न सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों ने पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार से मुलाकात कर सिंधी समाज पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले अमित बघेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की। गौरतलब है कि जोहर छत्तीसगढ़ पार्टी का अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ क्रांति सेना के कथित नेता अमित बघेल ने 26 अक्टूबर 2025 को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर सिंधी समाज के आदर्श भगवान झूलेलाल, महाराजा अग्रसेन पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित कई महापुरुषों को लेकर अशोभनीय ने बयान जारी किया था। सिर्फ महापुरुषों ही नहीं बल्कि सिंधी समाज को पाकिस्तानी बताते हुए पाकिस्तान जाने की बात कहकर अमित बघेल ने कई अपमानजनक बातें कही थी। अमित बघेल के बयान को लेकर देश भर के सिंधी समाज में आक्रोश व्याप्त है। सोशल मीडिया पर बयान सुनने के बाद सिंधी सेंट्रल पंचायत, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत एवं सिंधी युवा मंच शाहगंज के संयुक्त तत्वाधान में सामाजिक रूप से आहत हुए समाजसेवी सुनील करमचंदानी ने सिंधी समाज के प्रबुद्ध जनों के साथ थाना शाहगंज पहुंचकर अमित बघेल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। करीब एक सप्ताह पूर्व तहरीर देने के बाद भी कार्रवाई न होने पर सिंधी समाज के प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार से अमित बघेल के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता को चोट पहुंचाने जैसे मामले में मुकदमा पंजीकृत कराने का आदेश करने की मांग की।

सिंधी समाज के प्रतिनिधि मंडल की मांग पर पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने पूरे मामले की जांच कर कर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर प्रमुख रूप से सिंधी सेंट्रल पंचायत के महामंत्री हेमंत भोजवानी, मुकदमा दर्ज करने के वादी सुनील करमचंदानी ,सिंधी युवा मंच के अध्यक्ष नरेश लखवानी, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के मंत्री घनश्याम मुलानी, सिंधी युवा मंच के महामंत्री विजय भाटिया, मौजूद रहे।

एसएन में दान किया पार्थिव शरीर

आगरा एनएनआई। मथुरा निवासी विजय कुमार की इच्छानुसार उनके निधन के बाद परिवारिजनों ने हेल्प आगरा एवं प्रयास फाउंडेशन संस्था के कृष्ण कुमार अग्रवाल के सहयोग से उनकी मृत देह एस.एन मेडिकल कॉलेज को डाक्टरों की पढ़ाई के लिए दान की। देहदान के लिए परिजनों ने मथुरा से कृष्ण कुमार अग्रवाल से देहदान के लिए सम्पर्क किया था। उनकी सूचना पर हेल्प आगरा एम्बुलेंस से निशुल्क विजय कुमार का शव आगरा लाया गया। जहां एस. एन. के एनाटॅमी विभागाध्यक्ष डाक्टर अंजलि गुप्ता की ओर से विभाग के सुनील ने शव प्राप्त किया। मृतक परिवार के आशु अग्रवाल व यश अग्रवाल भी मौजूद रहे। हेल्प आगरा के महामंत्री गौतम सेठ , नंदकिशोर गोयल व जगवीर सिंह का विशेष सहयोग रहा।

होली पब्लिक जूनियर कॉलेज में धूमधाम से मना 23वां वार्षिकोत्सव

आगरा एनएनआई। सेक्टर 4 स्थित होली पब्लिक जूनियर कॉलेज में सीनियर विंग का 23वां वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से आध्यात्मिक वातावरण में मनाया गया। इस वर्ष विद्यालय द्वारा चुनी गई थीम 'तत्व' रही, जिसने पूरे कार्यक्रम को भक्ति, श्रद्धा और दिव्यता से आलोकित कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो.एस. पी. सिंह बघेल एवं आरटीओ अखिलेश कुमार द्विवेदी ने स्कूल चेयरमैन संजय तोमर, को-चेयर पर्सन राधा तोमर, डायरेक्टर शम्मी तोमर,को-डाइरेक्टर शिविका तोमर,प्रशासक श्रेयांक तोमर, प्रधानाचार्या सोनिका चौहान सिटी कॉर्डिनेटर साक्षी शर्मा एवं ज्योति शर्मा के साथ संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्जवलित किया।

विद्यार्थियों ने अपनी विविध मनमोहक प्रस्तुतियों के माध्यम से यह संदेश दिया कि–जीवन का असली

प्रकाश केवल बुद्धि में नहीं, बल्कि ईश्वर में अटूट विश्वास और सत्य के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ने में है। हर नृत्य, हर झांकी और हर अभिनय ने इस बात को जीवंत कर दिया कि– जब मन में श्रद्धा जागृत होती है, तब कठिनाइयाँ क्षीण हो जाती हैं और असंभव भी संभव बन जाता है।

स्कूल की वार्षिक रिपोर्ट एवं उपलब्धियां प्रधानाचार्य सोनिका चौहान ने प्रस्तुत की। इस दौरान सत्र 2024 में सर्वोत्कृष्ट स्थान पाने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। जिन अभिभावकों ने पेरेंट्स मीटिंग में सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज की, साथ ही जिन छात्रों की कक्षा में शत-प्रतिशत उपस्थिति रही, उनको भी सम्मानित किया गया। सत्र 2024 सीबीएसई बोर्ड के बारहवीं में विज्ञान एवं कॉमर्स एवं ह्यूमैनिटी स्ट्रीम के टॉपर्स को सम्मानित किया गया। सत्र 2024 के बेस्ट बॉय दीपांशु अग्रवाल और बेस्ट गर्ल का खिताब अक्षरा सिंह वहीं सर्वश्रेष्ठ स्पोर्ट्स पर्सन का खिताब यश कुमार सिंह को प्रदान किया गया। मंच-संचालन श्वेता उप्रेती द्वारा किया गया।

न्यूज नेक्स्ट इंडिया
हर खबर पर पक्की नज़र

उफ ! झाड़ियों में कांटों के बीच नवजात को फेंका

बाह सीएचसी के पीछे लोगों ने देखा, स्वास्थ्यकर्मियों ने किया इलाज

एनएनआई

आगरा। एक बच्ची जिसकी नाल भी नहीं कटी थी, उसे झाड़ियों में कांटों के बीच फेंक दिया गया था। चेहरा इतना मासूम कि देखते ही मन पिघल जाए। आंखें बड़ी-बड़ी, जैसे दुनिया से पूछ रही हो कि मेरी गलती क्या थी? तेज कांटों ने उसके कोमल शरीर को लहूलुहान कर दिया। वह दर्द से तड़प रही थी। सोमवार दोपहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जब उसकी हल्की-सी चीख सुनाई पड़ी तो आसपास टहल रहे मरीज और तीमारदार पलटकर देखने लगे। फिर इंसानियत जागी और सूचना मिलते ही स्वास्थ्यकर्मियों की टीम दौड़ती हुई पहुंची और बच्ची को अस्पताल ले आई। यहां उसे नई जिंदगी मिल गई।

सीएचसी बाह के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रमोद कुशवाह ने बताया कि सोमवार की दोपहर करीब 1:45 बजे परिसर में कुछ मरीज और तीमारदार टहल रहे थे, तभी उन्हें स्टोर रूम के पीछे झाड़ियों में नवजात के रोने की आवाज सुनाई दी। सूचना पर स्वास्थ्यकर्मी पहुंचे और बच्ची को उठाकर प्रसव कक्ष में लेकर पहुंचे। उसका उपचार किया गया। बच्ची की नाल भी नहीं कटी थी। झाड़ियों में फेंके जाने से शरीर में कांटे चुभे थे। इससे जख्म हो गए थे।

नवजात को अस्पताल के एनबीएसयू वार्ड में भर्ती किया गया है। रेडिएंट वार्मर में रखा गया और दूध पिलाया गया। अब वह स्वस्थ है। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पहुंची बाह पुलिस ने नवजात को झाड़ियों में फेंके जाने की जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक बाह ने बताया कि अस्पताल और आसपास की सीसीटीवी फुटेज देखी जा रही है। एक तरफ नवजात को झाड़ियों में छोड़े जाने की रूह कंपा देने वाली तस्वीर देखने को मिली। वहीं दूसरी ओर सीएचसी बाह में ममता एवं वात्सल्य का नजारा भी दिखा। नवजात के रोने पर स्टाफ नर्स मीनेश ने उसे सीने से लगाया तो वह चुप हो गई। इसके बाद उसे स्तनपान कराया। नवजात की देखभाल कर रहीं एएनएम आरती और स्टाफ नर्स मीनेश ने बताया कि बच्ची को अपनाने के लिए महिला पुलिसकर्मी, स्वास्थ्यकर्मी से लेकर दूसरी महिलाएं भी पहुंच गईं।

बेटी होने पर फेंके जाने की चर्चा

नवजात को झाड़ी में फेंके जाने पर अस्पताल में तरह-तरह की चचाएं होती रहीं। कुछ लोगों ने बताया कि प्रसूता को लेकर एक महिला अस्पताल में पहुंची थी। प्रवेश से पहले ही उसे तेज दर्द होने लगा तो स्टोर रूम के पीछे ले गई। बेटी पैदा होने पर उसे झाड़ियों में छोड़कर दोनों महिलाएं चली गईं।

खेलते-खेलते 10 फीट गहरे गड्ढे में गिरा मासूम, मौत

एनएनआई

अछनेरा। थाना अछनेरा क्षेत्र के गांव फतेहपुरा में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया जिसने पूरे गांव को शोक और सदमे में डाल दिया। खेलने के दौरान 5 वर्षीय मासूम मन्नू की 10 फीट गहरे गड्ढे में गिरकर मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, गांव फतेहपुरा निवासी देशराज का बेटा मन्नू घर के पास ही बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक पास में ही बने लगभग 10 फीट गहरे खुले गड्ढे में गिर गया। बच्चे के गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। परिजन और ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे और मासूम को बाहर निकाला। गंभीर हालत में परिजनों ने तुरंत बच्चे को सीएचसी अछनेरा पहुंचाया। वहां से चिकित्सकों ने नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा रेफर कर दिया।

मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मां-बाप और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चे के पिता देशराज ने इस घटना के संबंध में गांव के ही एक युवक के खिलाफ थाना अछनेरा में तहरीर दी है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर चुकी है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि घटना स्थल पर बना गड्ढा आखिर किस कारण से खुला पड़ा था और क्या उसकी सुरक्षा को लेकर लापरवाही बरती गई थी। इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि ऐसे असुरक्षित और खुले गड्ढों में तत्काल भराई कराई जाए, ताकि भविष्य में किसी और मासूम की जान जोखिम में न पड़े।

घटना के बाद भी नहीं लिया सबक

विगत दिनों पूर्व गांव खेड़ा बाकंदा में खेलते वक्त एक मासूम बच्चा प्रयान्स की कुएँ में गिरने से मौत हो गयी थी। लगभग 34 घंटे के बाद टीम ने उसे बाहर निकाला था। दुःखद हादसे से सबक लेने के बावजूद इसके स्थानीय प्रशाशन ने किसी भी गांव के कुएँ को बंद नहीं कराया, जिसके कारण पुनः एक मासूम की मौत हो गयी। अछनेरा के गांव रायभा की माहौर बस्ती के पास सैकड़ो वर्ष पुराना कुआँ आज भी खुला हुआ है। विगत दिनी पूर्व बस्ती के एक किसान की बकरी कुएँ में गिर गयी थी।

मलपुरा में एसीपी कार्यालय का उद्घाटन

मलपुरा एनएनआई। थाना मलपुरा परिसर में सैंया सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कार्यालय और विवेचना कक्ष का उद्घाटन किया गया। पुलिस आयुक्त दीपक कुमार ने फीता काटकर इन नए कार्यालयों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त रामबदन सिंह, उपायुक्त पश्चिम अतुल शर्मा, डीसीपी सिटी अली अब्बास, हिमांशु गौरव, एसीपी पूनम सिरोही, सुकन्या शर्मा, प्रीता सिंह, निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा, पवन कुमार सैनी सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

एकता की गूंजः धनौली से गामरी तक उमड़ा जनसमूह

एनएनआई

मलपुरा। लौहपुर और वल्लभभाई पटेल को समर्पित एकता पदयात्रा सोमवार को आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में बड़े उत्साह और जोश के साथ निकाली गई। पदयात्रा की शुरूआत गांव धनौली स्थित मधुर मिलन वाटिका से हुई, जहां विद्यार्थियों, एनसीसी कैडेटों, सामाजिक संगठनों, महिलाओं और युवाओं ने भारी संख्या में भाग लिया।

मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री एवं विधायक बेबी रानी मौर्य ने कहा कि सरदार पटेल की दूरदृष्टि एवं संगठन क्षमता ने भारत के नव-निर्माण को नई दिशा दी। उन्होंने पदयात्रा को राष्ट्र की एकता, सामाजिक समरसता और जनजागरण का प्रतीक बताया।

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत पौनिया ने कहा कि समाज के सभी वर्गों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि राष्ट्रीय एकता का संकल्प तभी मजबूत होता है जब नागरिक सक्रिय रूप से आगे आते हैं। विद्यार्थियों और एनसीसी कैडेटों की ऊर्जा ने कार्यक्रम में नई स्फूर्ति का संचार किया। उपस्थित प्रमुख लोगः यशपाल राणा, अभिनव मौर्या, राहुल चौधरी, शिवकुमार, सत्यप्रकाश लोधी, उमाशंकर माहौर, सहदेव शर्मा, फौरन सिंह राठौड़, विजय सिंह, पदम सिंह, अजय चाहर, हरिमोहन कुशवाह, राजू प्रधान, सोनू दिवाकर, बब्बू चौधरी, मानवेंद्र तोमर, धर्मेंद्र उपाध्याय, मनीष कटारा, प्रताप सिंह कुशवाह, सतेंद्र राजपूत, हिम्मत प्रधान, अजीत प्रधान, बॉबी प्रधान, मुकेश प्रधान आदि।

जर्जर भवन के साये में काम कर रहे अधिकारी व कर्मचारी

एनएनआई

किरावली। बादशाह अकबर के दौर में बनी एक पुरानी संरचना को आधार बनाकर विकसित हुआ किरावली तहसील परिसर आज बुरी तरह जर्जर हालात में पहुंच चुका है। इस भवन में वर्षों तक तहसीली कार्य संचालित होते रहे। 1984 में इसकी नई बिल्डिंग बनने का काम शुरू हुआ जो 1988 में बनकर तैयार हुआ। इससे पहले तक अधिकारी और कर्मचारी इसी पुराने ढांचे में काम करते थे। आज भी कई अधिकारियों का अस्थायी आवास भी इसी भवन में बना है। इतने अधिकारियों व कर्मचारियों से लेकर हजारों की संख्या में लोगों का प्रतिदिन यहाँ आना जाना लगा रहता है लेकिन भवन की मौजूदा स्थिति गंभीर खतरे का संकेत दे रही है। बता दें कि भवन के कई हिस्से अपनी उम्र और उपेक्षा दोनों का बोझ नहीं संभाल पा रहे हैं। मुख्य बरामदे की छत से प्लास्टर लगातार झड़ रहा था, कुछ कमरों की दीवारें चौड़ी दरारों से फटी हुईं हैं और कई स्थानों पर फर्श भी धंस चुका है।कर्मचारियों ने बताया कि यहाँ हर दिन डर बना रहता है। किस हिस्से से कब मलबा गिर पड़े, कोई भरोसा नहीं।

रेवेन्यू विभाग हर साल मरम्मत व रखरखाव का बजट भेजता है, लेकिन मौके पर उसकी झलक मुश्किल से दिखाई देती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मरम्मत के नाम पर खानापूरी होती है, जबकि असल ढांचा दिन-प्रतिदिन कमजोर होता जा रहा है।

त्रुटियों का सबसे बड़ा प्रमाण तीन वर्ष पुरानी घटना है, जब तत्कालीन एसडीएम अनिल कुमार के कक्ष की छत अचानक गिर गई थी। वह बाल-बाल बचे, लेकिन इस हादसे के बाद भी भवन को लेकर कोई ठोस सुधार नहीं किया गया।

पुराना ढांचा पुरातत्त्व विभाग के संरक्षण में है, और विभाग द्वारा इसे संरक्षित स्मारक घोषित कर परिसर में बोर्ड भी लगाया गया है। इसी बीच तहसील के रोजमर्रा के कामों में जगह की कमी सबसे बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। पार्किंग, रिकॉर्ड रूम, कोर्ट रूम और आवासीय हिस्सों के बीच अत्यधिक भीड़भाड़ है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि पुरातत्त्व विभाग अपने नियंत्रण वाली अतिरिक्त जमीन को तहसील प्रशासन के उपयोग हेतु उपलब्ध करा दे, तो परिसर की व्यवस्था काफी सुधर सकती है।

तहसील प्रशासन ने कई बार भवन के कायाकल्प, मरम्मत और नए निर्माण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजे हैं, लेकिन बताया जाता है कि बजट की स्वीकृति अभी तक लंबित है। अधिवक्ताओं, और कस्बेवासियों ने वरिष्ठ अधिकारियों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द मौके पर पहुंचकर स्थिति का आंकलन करें और या तो भवन का सुदृढ़ीकरण करें या फिर नया निर्माण प्रारंभ कराया जाए। लोगों का कहना है यह केवल भवन का मुद्दा नहीं, सुरक्षा का मामला है। देर हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है।

संपादकीय

ज्यादा सीटें पाकर भी कमजोर हुए नीतीश!

बिहार में जनता दल यू को 83 सीटें मिली हैं। पिछली बार के मुकाबले उनकी सीटें लगभग दोगुनी हो गई हैं। 2020 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को 43 सीटें मिली थीं। 2010 के चुनाव के बाद यह उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन है।भारतीय जनता पार्टी बिहार विधानसभा में पहली बार चुनाव जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। पिछले चुनाव में वह दूसरे नंबर की पार्टी बनी थी लेकिन बाद में विपक्षी पार्टियों के कुछ विधायकों के टूट कर आने से वह सबसे बड़ी पार्टी बन गई थी। इस बार वह चुनाव में 89 सीटें जीत कर सबसे बड़ी पार्टी बनी है। अब सवाल है कि क्या 43 से बढ़ कर 83 सीटों पर पहुंचने के बाद नीतीश ज्यादा मजबूत हुए हैं या उनकी राजनीतिक मोलभाव करने की ताकत कम हो गई है?नीतीश की राजनीतिक मोलभाव की ताकत कम हुई इसका अर्थ राष्ट्रीय जनता दल की सीटों में हैं। पिछले दो चुनावों से सबसे बड़ी पार्टी बन रही राजद इस बार 25 सीटों पर सिमट गई है। वह बहुत बड़े अंतर से तीसरी स्थान पर रही है।सिर्फ 43 सीट जीत कर भी नीतीश कुमार को मोलभाव की ताकत ज्यादा इसलिए थी क्योंकि राजद के पास 75 सीटें थीं। इनके अलावा बिहार की तीनों लेफ्ट पार्टियों के पास 16 और कांग्रेस के पास 19 सीटें थीं। इसके बाद ओवैसी की एमआईएम के पास भी पांच सीटें थीं। भाजपा अपनी 74 सीटों के साथ किसी स्थिति में बिना नीतीश कुमार के सरकार नहीं बना सकती थी। तभी बड़े आराम से नीतीश कुमार ने 2022 में भाजपा को छोड़ दिया और राजद, कांग्रेस व लेफ्ट के साथ मिल कर सरकार बना ली। इस बार राजद सिर्फ 25 सीटों पर है। कांग्रेस को छह, लेफ्ट को तीन और एमआईएम को पांच सीटें मिली हैं। यानी अगर नीतीश कुमार की 83 सीटें इसमें जोड़ दी जाएं तब बड़ी मुश्किल से बहुमत का जादुई आंकड़ा पूरा होता है। इसमें अगर कांग्रेस के एक दो विधायक भी इधर उधर हो गए या राजद के विधायक ही टूट गए तो कुछ भी हो सकता है।दूसरी ओर भाजपा के 89 विधायकों के साथ अगर चिराग पासवान की पार्टी के 19, जीतन राम मांझी के पांच और उपेंद्र कुशवाहा के चार विधायकों को जोड़ते हैं तो आंकड़ा 117 पहुंच जाता है। यानी अगर भाजपा जोड़ तोड़ करे तो वह बिना जनता दल यू के सरकार बना सकती है। हालांकि भाजपा के नेता अभी ऐसा नहीं करेंगे क्योंकि सबको पता है कि इस बार का चुनाव नीतीश कुमार के नाम पर लड़ा गया है और जनादेश पर उनके नाम की छाप है। अभी उनको सीएम नहीं बनाने का उलटा असर हो सकता है। यह भी हो सकता है कि मांझी और कुशवाहा भी नीतीश का साथ नहीं छोड़ें क्योंकि दोनों के विधायकों की जीत में नीतीश के वोट और उनके प्रति मतदाताओं के सद्भाव का बड़ा हाथ है। तब भी अब नीतीश कुमार भाजपा की कृपा पर ज्यादा निर्भर होंगे। वे 43 सीटें लेकर ज्यादा मजबूत और राजनीतिक मोलभाव करने की स्थिति में थे क्योंकि विपक्षी पार्टियां मजबूत थीं और उनकी संख्या बड़ी थी। अब ज्यादा सीट जीत कर नीतीश राजनीतिक मोलभाव में कमजोर हुए हैं क्योंकि विपक्ष का सफाया हो गया है। अब बिहार सरकार के कामकाज में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व का दखल पहले से ज्यादा बढ़ेगा।समूचे उत्तर भारत में या हिंदी पट्टी में बिहार एकमात्र राज्य है, जहां आज तक भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री नहीं बना है। बाकी सभी राज्यों में भाजपा अपने मुख्यमंत्री बना चुकी है। हिंदी पट्टी के साथ साथ पूर्वी भारत में भी भाजपा ने अपना आधार मजबूत किया है। अब बिहार में उसके अपना मुख्यमंत्री बनाने की बारी है। इस बार विधानसभा चुनाव में भाजपा बहुमत के काफी करीब पहुंच गई है। इससे पहले एक बार 2010 में वह 91 सीटों पर जीती थी लेकिन तब नीतीश कुमार 115 सीटों पर जीते थे। उसके बाद पहली बार भाजपा ने 89 के आंकड़े तक पहुंची है और जनता दल यू उससे चार सीट पीछे है। तभी माना जा रहा है कि इस विधानसभा में किसी समय भारतीय जनता पार्टी अपना मुख्यमंत्री बना सकती है।सूत्रों का कहना है कि भाजपा यह काम नीतीश कुमार की सहमति से करना चाह रही है। कहा जा रहा है कि नीतीश कुमार को शुरू में कुछ दिन के लिए मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। सबको पता है कि उनकी सेहत बहुत अच्छी नहीं है और धीरे धीरे उसमें और गिरावट आएगी। इसलिए भाजपा तत्काल कुछ करने की बजाय इंतजार करेगी। थोड़े समय के बाद उनकी जगह भाजपा का मुख्यमंत्री बनाया जाएगा और पुराने फॉमूर्ले के तहत उनकी पार्टी का उप मुख्यमंत्री बनाया जाएगा। जनता दल यू के नेता नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को उप मुख्यमंत्री बनाने का दांव चल सकते हैं। इसके अलावा एक बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ह्यहनुमानह्ण यानी चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की ओर से भी किसी को उप मुख्यमंत्री बनाया जाएगा? चिराग पासवान की पार्टी के 19 विधायक जीते हैं। कुछ समय पहले तक खुद चिराग पासवान चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। उनकी पार्टी बिहार बुला रहा है का नारा लगा रहे थे। तभी यह चर्चा शुरू हो गई है कि चिराग खुद उप मुख्यमंत्री बनने का दांव चल सकते हैं या अपने बहनोई अरुण भारत को बनाने की कोशिश कर सकते हैं और नहीं तो पार्टी के किसी दूसरे नेता को बनाने की कोशिश तो जरूर करेंगे।

सर्दियों में प्यास न लगे तो भी पानी जरूर पिएं

सर्दियों में प्यास कम लगती है। इसकी एक वजह ये है कि आसपास का वातावरण ठंडा होता है तो पसीना नहीं आता है। मुंह नहीं सूखता है और प्यास का एहसास नहीं होता है। आमतौर पर लोग पानी तब पीते हैं, जब उन्हें प्यास लगती है। पानी पीने का यह तरीका गलत है। शरीर हमें प्यास का संकेत तब देता है, जब उसे पानी की कमी महसूस होने लगती है। यही वजह है कि ठंड के मौसम में डिहाइड्रेशन का ज्यादा रिस्क होता है। अगर आप हर बार पानी पीने के लिए प्यास का इंतजार करते हैं तो डिहाइड्रेशन का रिस्क हो सकता है।

सर्दियों में प्यास क्यों नहीं लगती है?

सर्दियों में प्यास कम लगने की वजह आसपास के वातावरण में तापमान और पसीने से जुड़ी है। गर्मियों में शरीर को ठंडा रखने के लिए ज्यादा पसीना आता है, जिससे बार-बार प्यास महसूस होती है और गला सूखता है। वहीं ठंड के मौसम में तापमान कम होता है। शरीर को कूलिंग की जरूरत नहीं पड़ती है, तो पसीना भी बहुत कम निकलता है। इस वजह से हमें प्यास भी कम महसूस होती है।

सर्दियों में डिहाइड्रेशन क्यों होता है?

ठंड के मौसम में हमारी ब्लड वेसल्स सिकुड़ जाती हैं, ताकि शरीर की गर्मी बाहर न जाए। शरीर इस दौरान ब्लड फ्लो शरीर के सबसे महत्वपूर्ण अंगों के आसपास कर देता है। इस प्रोसेस में किडनी को भी ज्यादा खून मिलता है। किडनी छानने के लिए मिले अतिरिक्त ब्लड से ज्यादा पानी छानकर बाहर निकालती है। इससे भी शरी को गर्म रखने में मदद मिलती है। प्यास कम लगने के कारण लोग कम पानी पी रहे होते हैं। इन सभी वजहों के चलते सर्दियों में डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है।

क्या सर्दियों में डिहाइड्रेशन के लक्षण अलग दिखते हैं?

हां, सर्दियों में डिहाइड्रेशन के लक्षण थोड़े अलग हो सकते हैं, क्योंकि ठंड में पसीना कम आता है। शरीर में पानी धीरे-धीरे कम होता जाता है, जिससे होंठ फटने लगते हैं, त्वचा में रूखापन होता है। इसके अलावा थकान, सिरदर्द के साथ पेशाब का गाढ़ा पीला रंग जैसे संकेत दिख सकते हैं। ये डिहाइड्रेशन के शुरूआती लक्षण हैं।

सर्दियों में कितना पानी पीना जरूरी होता है?

सर्दियों में शरीर को उतने ही पानी की जरूरत होती है, जितनी गर्मियों में होती है। हमारे शरीर का लगभग 60% हिस्सा पानी से बना है, जो टॉक्सिन बाहर निकालने, शरीर का तापमान कंट्रोल में बनाए रखने और पाचन को सही रखने में मदद करता है। ठंड में सांस, पेशाब और हल्के-फुल्के पसीने के जरिए भी पानी बाहर निकलता रहता है। इसलिए रोज कम-से-कम 2 से 2.5 लीटर पानी पीना जरूरी होता है।

शरीर की पानी की जरूरत कैसे पूरी होगी

सर्दियों में प्यास कम लगती है और पानी पीना भी बहुत अच्छा नहीं लगता है। हालांकि, शरीर को हाइड्रेट रखना भी जरूरी है, ताकि खून गाढ़ा न हो और सभी अंग सही तरीके से काम करते रहें। इसलिए शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए दूसरे तरीके अपनाने होंगे।

दिनभर में पानी पीने का लक्ष्य तय करें

सर्दियों में शरीर को हाइड्रेटेड रखना बहुत जरूरी और थोड़ा मुश्किल होता है। इस मौसम में शरीर बार-बार प्यास का संकेत नहीं दे पाता है तो खुद से अधिक कोशिश करनी होती है। ठंड के दौरान रूम टेम्प्रेचर में रखा पानी पीना भी मुश्किल होता है। इसलिए पहले से ही दिनभर में पानी पीने की योजना बनाएं। इसे ऐसे समझिए कि अगर आपके पास 1 लीटर की पानी की बॉटल है, तो कम-से-कम 2 बॉटल यानी 2 लीटर पानी पीने का लक्ष्य रखें। ठंड को मौसम में सीधे ठंडा पानी पीना मुश्किल हो तो इसे हल्का गुनगुना कर लें, ताकि पीने में आसानी हो।

सब्जियों-फलों से पूरी होगी पानी की जरूरत

सर्दियों में सिर्फ पानी के सहारे शरीर को हाइड्रेटेड रखना मुश्किल काम है। इसलिए इसे भजोन के जरिए भी पूरा किया जा सकता है। सर्दियों में बाजार में हरी सब्जियां और मौसमी फल दूसरे सभी मौसमों के मुकाबले ज्यादा मिलते हैं।इनमें पानी की मात्रा अधिक होती है। इन मौसमी फल और सब्जियों को अपने भोजन में शामिल करके शरीर को हाइड्रेटेड रखा जा सकता है।

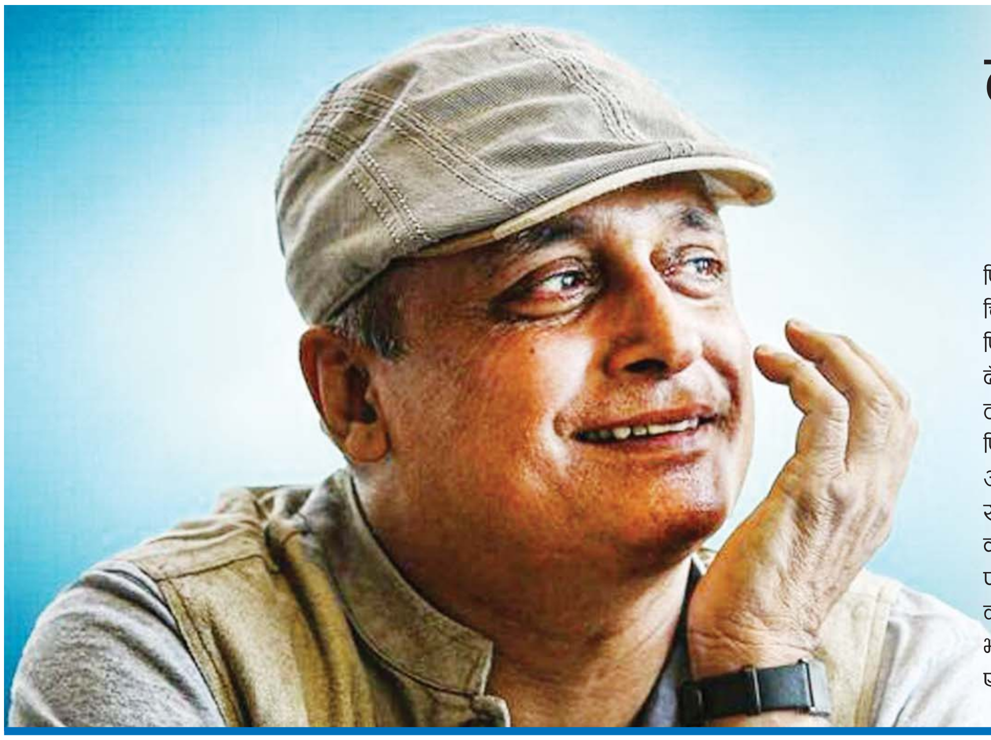

दक्षिण के कलाकार सरल, बॉलीवुड में दिखावा ज्यादा-पीयूष मिश्रा

फिल्म निर्देशक करण जोहर और फराह खान द्वारा कलाकारों के बड़े दल के साथ यात्रा करने को लेकर व्यक्त की गई चिंताओं के बाद अब अभिनेता पीयूष मिश्रा ने भी इस मुद्दे पर खुलकर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारतीय फिल्म उद्योग के कलाकार सरल स्वभाव के होते हैं, जबकि बॉलीवुड में दिखावे और नखरों की प्रवृत्ति अधिक दिखाई देती है। पीयूष मिश्रा ने बताया कि उन्हें दक्षिण में काम करना इसलिए पसंद है, क्योंकि वहाँ के कलाकार और तकनीकी टीम बेहद विनम्र होती है। उन्होंने निर्देशक एस. शंकर के साथ अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि इतने बड़े फिल्मकार ने खुद आगे आकर परिचय दिया, जो उनके लिए सम्मान की बात थी। पीयूष ने कहा कि बॉलीवुड में अक्सर अभिनेता भारी सुरक्षा और बड़े दल के साथ आते हैं। उन्होंने कहा, कई कलाकारों के साथ 12 से 14 बॉडीगार्ड और कई सहायक चलते हैं। ऐसा क्या जरूरी है? एक के बाल बनाने वाला, एक मेकअप करने वाला, एक खाने की व्यवस्था करने वाला–यह सारा बोझ क्यों? उन्होंने बताया कि उनके दल में केवल एक मेकअप आर्टिस्ट और एक मैनेजर होते हैं। अपने पसंदीदा कलाकार का नाम बताते हुए उन्होंने कहा कि रणबीर कपूर उन कुछ अभिनेताओं में से हैं जो बिना नखरों के काम करते हैं। इससे पहले फराह खान और राकेश रोशन ने भी कहा था कि बढ़ते दल के कारण प्रोडक्शन लागत पर भारी असर पड़ रहा है। उन्होंने मजाक में बताया था कि कुछ कलाकार अपने निजी रसोइए तक लेकर चलते हैं, जिनके एक सलाद की कीमत कई बार चालीस हजार रुपये तक होती है।

ऐश्वर्या शर्मा ने दुर्व्यवहार के आरोपों को नकारा

बोलीं – झूठ फैलाने वालों से सावधान रहें

टीवी अभिनेत्री ऐश्वर्या शर्मा ने सोशल मीडिया पर अपने खिलाफ फैलाए जा रहे आरोपों पर नाराजगी जताई है। हाल ही में पति नील भट्ट से अलगाव की खबरों के बीच उन्हें ट्रोलिंग और कई तरह के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर लंबा संदेश साझा करते हुए कहा कि उनके बारे में फैलाई जा रही अधिकांश बातें पूरी तरह गलत हैं। ऐश्वर्या ने लिखा, लोग बिना सच्चाई जाने मेरे बारे में धारणाएँ बना लेते हैं। कहा जा रहा है कि मैंने किसी से बदसलूकी की या किसी को धमकाया–ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि सेट पर उन्होंने हमेशा पेशेवर व्यवहार किया है और किसी को अपमानित नहीं किया। ऐश्वर्या ने लिखा कि अलगाव की अफवाहों के बाद लगातार उन्हें ही निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि झूठ फैलाने वालों को अपने कर्मों पर विचार करना चाहिए और किसी के व्यक्तिगत जीवन पर टिप्पणी करने से पहले सच जानना जरूरी है। नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा की मुलाकात टीवी शो गुम है किसी के प्यार में के सेट पर हुई थी। दोनों ने 2021 में विवाह किया था। हाल ही में खबरें सामने आई हैं कि दोनों ने तलाक की अर्जी दी है, हालांकि दोनों कलाकारों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

मुझे रूप-रंग के आधार पर बांध दिया गया

ओटीटी ने बदल दी धारणा-एली अवराम

अभिनेत्री एली अवराम ने कहा कि हिंदी फिल्म उद्योग में उनके बारे में लंबे समय तक यह धारणा रही कि वह केवल ग्लैमरस भूमिकाओं तक ही सीमित हैं और हिंदी भाषा अच्छी तरह नहीं बोल सकतीं। एली के अनुसार, यह उनके करियर की सबसे बड़ी चुनौती रही। उन्होंने बताया कि फिल्मों और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग तरह के किरदार निभाने के बावजूद लोगों ने उन्हें एक ही छवि में बांधकर रखा। एली ने कहा, मैंने बंगाली पत्नी से लेकर 'मलंग' जैसे किरदार तक निभाए, लेकिन फिर भी लोग मानते रहे कि मैं कुछ भूमिकाएँ नहीं कर सकती। एली ने इसे बदलने का श्रेय ओटीटी प्लेटफॉर्म को दिया, जिसने कलाकारों को विविध भूमिकाएँ निभाने का बड़ा अवसर दिया। उन्होंने कहा, ओटीटी ने मेरी क्षमता को सामने लाया। अब निर्देशकों को विश्वास है कि मैं खुद को बदल सकती हूँ और अलग-अलग तरह की भूमिकाएँ कर सकती हूँ। अभिनेत्री ने कहा कि उनकी फिल्मोग्राफी खुद उनके सफर की कहानी कहती है। वह आगे एक्शन-प्रधान भूमिकाएँ और ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं, जिन्हें अब तक पर्दे पर नहीं दिखाया गया है।

ईडन गार्डन्स पिच पर घिरा टीम मैनेजमेंट

क्यूरेटर के बयान से बढ़ी हलचल, गावस्कर-कैफ ने कोच गंभीर पर साधा निशाना

कोलकाता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच ईडन गार्डन्स में खत्म हुए पहले टेस्ट ने भारतीय क्रिकेट में एक बड़ा भूचाल ला दिया है। 124 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम इंडिया 93 पर ऑल आउट हुई और महज तीन दिनों में मैच हार गई। इस प्रदर्शन ने नए विवाद को जन्म दिया। भारतीय टीम की यह पिछले 13 महीने में घर पर टेस्ट में चौथी हार रही। इससे खिलाड़ियों से लेकर टीम मैनेजमेंट की रणनीति तक पर सवाल उठे। हालांकि, टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद पिच को लेकर बयान दिया था और इसने ईडन गार्डन्स को सवालों के कटघरे में ला खड़ा किया। इस पर अब पिच क्यूरेटर का बयान सामने आया है। इसके अलावा सुनील गावस्कर और मोहम्मद कैफ ने भी गंभीर पर निशाना साधा है।

क्यूरेटर की चुप्पी टूटी

टेस्ट मैच के बाद जब आलोचना का माहौल गर्म हुआ, तो ईडन गार्डन्स के पिच क्यूरेटर सुजान मुखर्जी ने पहली बार अपनी बात खुलकर रखी। उनका कहना था, 'यह पिच बिल्कुल खराब नहीं थी। मैं टेस्ट पिच तैयार करना जानता हूं और मैंने वही किया जिसकी मुझे निर्देश दिए गए थे।' मुखर्जी ने साफ किया कि उन्होंने अपनी ओर से कोई मनमानी नहीं की, बल्कि टीम मैनेजमेंट के निदेशों के अनुसार ही सतह तैयार की। यह बयान आते ही क्रिकेट जगत में चर्चा तेज हो गई कि आखिर किसके आदेश पर यह टर्निंग, अनिश्चित और असमान बाउंस वाली पिच तैयार की गई थी? जब गंभीर ने मैच के बाद कहा कि 'विकेट में कोई डेमन नहीं थे' और बल्लेबाजों पर दबाव संभालने की कमी का आरोप लगाया, तो क्यूरेटर की बात और गंभीर की मांगों का मेल एक नई बहस को जन्म दे गया।

गंभीर को गवास्कर की सीधी नसीहत

भारत की हार के बाद महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने ऐसा बयान दिया जिसने विवाद को नई दिशा दे दी। गवास्कर ने साफ शब्दों में कहा कि कोच, टीम मैनेजमेंट या खिलाड़ियों को क्यूरेटर पर दबाव नहीं डालना चाहिए। गवास्कर बोले, 'क्यूरेटर को अकेला छोड़ देना चाहिए। वही अपना काम सबसे बेहतर जानता है। जब आप उसे पिच ऐसी-वैसी बनाने को कहते हैं, तो चीजें उलटी पड़ जाती हैं।' आईपीएल का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां कोई भी क्यूरेटर पर दबाव नहीं डाल सकता, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप से नतीजे बिगड़ते हैं। उनके बयान को सीधे तौर पर गंभीर की रणनीति और मांगों की ओर इशारा माना जा रहा है।

कैफ ने गंभीर को लेकर दिया यह बयान

गंभीर पर पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि क्यूरेटर ने पिच वैसी इसलिए बनाई क्योंकि कोच गंभीर की मांग थी और उअइ अध्यक्ष सौरव गांगुली को मजबूरी में मानना पड़ा। कैफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'गांगुली ऐसी पिच कभी नहीं चाहते। उन्होंने पद संभालते ही कहा था कि ईडन पर स्पोर्टिंग विकेट बनेंगे, लेकिन गंभीर ने कहा तो करना पड़ा। वह खुश नहीं होंगे। भविष्य में ऐसी पिच ईडन पर दोबारा नहीं बनेगी।' कैफ यहीं नहीं रुके। उन्होंने टीम इंडिया की तैयारी पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'भारत को 123 रन चेज करना चाहिए था। पर हम ऐसी पिचों पर खेलते ही नहीं। व्हाइट बॉल क्रिकेट खेलकर आते हैं, टेस्ट की मेहनत कहां?' कैफ ने गंभीर के तर्क 'यह पिच वैसी ही थी जैसी हम चाहते थे' पर भी चुटकी ली और कहा कि टीम को अपनी वास्तविक ताकत पहचाननी चाहिए। उनके मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका ने स्पिन-ट्रैप के लिए बेहतर तैयारी की थी और इसी कारण भारतीय रणनीति उलटी पड़ी।

मैच में क्या हुआ: तीन दिन में हार

यह मुकाबला कई कड़वे रिकॉर्ड छोड़ गया:

- 66 साल में पहली बार भारत में कोई टेस्ट ऐसी स्थिति से गुजरा जहां चारों पारियों में कोई भी टीम 200 तक नहीं पहुंची।
- भारत 13 साल बाद ईडन गार्डन्स में टेस्ट हारा।
- 124 का लक्ष्य भारत हासिल नहीं कर सका। यह भारत का टेस्ट इतिहास में दूसरा सबसे छोटा असफल चेज।
- दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और साइमन हार्मर ने भारतीय बल्लेबाजों पर कहर बरसाया।
- टीम इंडिया की ओर से केवल वाशिंगटन सुंदर ही 30+ रन बना सके।

'गंभीर को कुछ चीजें बदलनी होंगी'

मैच के बाद गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में माना था कि पिच ठीक वैसी ही थी जैसी भारतीय टीम चाहती थी, लेकिन गांगुली इससे सहमत नहीं दिखे। उन्होंने कहा, 'मैं गंभीर का बहुत सम्मान करता हूं। उन्होंने भारत के लिए इंग्लैंड, वनडे और टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। लेकिन हमें अच्छी, संतुलित पिचों पर खेलना चाहिए।' गांगुली ने गंभीर को यह भी सलाह दी कि वे अपने गेंदबाजों पर भरोसा रखें, खासकर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे मैच-विनर्स पर। उन्होंने कहा, 'बुमराह, सिराज और शमी पर विश्वास रखना चाहिए। हमारे स्पिनर भी टेस्ट जिताते हैं। पिच को इतना एकतरफा बनाने की जरूरत नहीं है।'

गांगुली का बड़ा खुलासा

इससे पहले सौरव गांगुली ने भी गंभीर पर निशाना साधा था। पिच की आलोचना होने पर क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष और पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा था कि टीम मैनेजमेंट को इतना एकतरफा पिच बनाने की जरूरत नहीं थी। भारतीय टीम मैनेजमेंट को अपने तेज गेंदबाजों पर भी भरोसा रखना चाहिए। गांगुली ने कहा, 'इसमें कोई विवाद नहीं है। यह सर्वश्रेष्ठ टेस्ट पिच नहीं थी, लेकिन भारत को 120 रन तो हासिल कर लेने चाहिए थे। गंभीर ने खुद कहा था कि उन्हें ऐसी ही पिच चाहिए और उन्होंने क्यूरेटर को निर्देश भी दिए।'

'टेस्ट मैच पांच दिन में जीतें, तीन दिन में नहीं'

गांगुली ने अंत में गंभीर को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा, 'टेस्ट मैच पांच दिनों में जीतें, तीन दिनों में नहीं।' गांगुली के इस बयान से यह साफ है कि वे चाहते हैं कि भारत ऐसी पिचों पर खेले जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों, दोनों को बराबर मौका मिले, ताकि खेल रोमांचक बने और टीम संतुलित परिस्थितियों में जीतना सीखे।

भारतीय टीम के साथ गुवाहाटी नहीं जाएंगे कप्तान शुभमन गिल

दूसरे टेस्ट में खेलने पर संशय

कोलकाता। कप्तान शुभमन गिल का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू हो रहे टेस्ट मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। बताया जा रहा है कि वह टीम के साथ बुधवार को गुवाहाटी नहीं जाएंगे। बता दें कि, कोलकाता टेस्ट के दौरान गिल की गर्दन में चोट लगी थी जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी।

बुधवार को टीम के साथ गुवाहाटी नहीं जाएंगे गिल

बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के सूत्रों ने पुष्टि की कि वह बुधवार को टीम के साथ गुवाहाटी नहीं जाएंगे। सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, 'उन्हें गर्दन में तेज दर्द है और हमें चोट के बारे में और विस्तार से बताने की अनुमति नहीं है। उन्हें गर्दन का कॉलर पहनना जारी रखना होगा। उन्हें तीन-चार दिन आराम करने और हवाई यात्रा नहीं करने की सलाह दी गई है। इस स्थिति में उन्हें गुवाहाटी जाने की सलाह नहीं दी गई है। लेकिन हम उनकी प्रगति पर नजर रख रहे हैं और मंगलवार तक तस्वीर साफ हो जाएगी।'

गिल की जगह इन्हें मिल सकता है मौका

भारतीय टीम को शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे और अंतिम टेस्ट के लिए बुधवार को गुवाहाटी रवाना होना है। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गिल की अब भी जांच की जा रही है और फिजियो तथा मेडिकल स्टाफ द्वारा एक और दौर का मूल्यांकन किया जाना है। गिल की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम पहले टेस्ट की चौथी पारी में 124 रन का लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही और 30 रन से हार गई। गिल अगर बाहर हो जाते हैं तो भारत के पास बी साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल को खिलाने का विकल्प होगा।

मंगलवार, 18 नवम्बर राशिफल

मेष राशि के जातकों के लिए दिन परेशानियों से छुटकारा दिलाने वाला रहेगा। योजनाबद्ध तरीके से किए गए कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। अपनी कुशलता के दम पर आप कारोबार में आ रही परेशानियों पर काबू पा लेंगे। आज के दिन विरोधियों की मदद लेनी पड़ सकती है।

आज आपको अपने कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाई से सामना हो सकता है। एक साथ कई प्रकार के काम हाथ में ले लेने से आपको परेशानी हो सकती है। आज का दिन आपके लिए मिश्रित फल देने वाला रहेगा। इस दौरान आपको रिस्क लेने के लिए तैयार रहना होगा।

मिथुन राशि के जातकों को आज लंबे समय के बाद फुर्सत के पल मिलेंगे। इस दौरान आपको अपने व्यक्तिगत जीवन पर सोच विचार करने का मौका मिलेगा। आने वाले दिनों में मांगलिक कार्यक्रमों में शामिल होने का मौका मिलेगा।

कर्क राशि वालों का आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज के दिन आपको ढेर सारे कार्यों को करने के लिए तैयार रहना पड़ेगा। इस दौरान आपके लिए यात्रा के भी योग बन रहे हैं। अपने काम को बढ़ाने के लिए संपर्क और गठजोड़ भी करने पड़ सकते हैं।

सिंह राशि वालों को आज के दिन भाग्य का साथ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में कामकाज अच्छा होता दिखेगा। अपने कामकाज के अलावा आपको रोमांस और मन की इच्छाओं का भी ध्यान रखना पड़ेगा। कभी कभी ज्यादा परिश्रम करने से आप बोर हो सकते हैं।

कन्या राशि वालों के लिए दिन आर्थिक मामलों में मिश्रित रहने वाला है। आपने अब तक जीवन में करियर से ज्यादा प्रेम, रोमांस और भाग्य पर भरोसा किया है, लेकिन अब समय है कि आप अपने कौशल और मेहनत पर ध्यान दें।

तुला राशि के जातकों के लिए आज आर्थिक मामलों में सतर्क रहना होगा। स्वास्थ्य पर भी आपको ध्यान देने की जरूरत है। ऐसे में लापरवाही न करें और जरूरत पड़ने पर तुरंत चिकित्सक से सलाह लें। कार्यक्षेत्र में विवाद या तनाव की स्थिति पैदा हो सकती है।

वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। हाल ही में आपके जीवन में कई परिवर्तन आए हैं, जिनका असर अब भी महसूस हो रहा है। प्रेम से संबंधित किसी प्रकार के निर्णय में अस्थिरता आ सकती है। ऐसे में चीजों से बचने का मन भी हो सकता है।

रोमांस के मामले में आपके जीवन में नफरत और प्रेम का लेखा जोखा बराबर रहता है। आपमें से कई लोग ऐसे हैं जिनको इन दिनों अपने गृहस्थ जीवन को संवारने में काफी मेहनत करनी पड़ रही है। कुछ लोग अपने प्रेम संबंधों को विवाह में तब्दील करने की कोशिश भी कर सकते हैं।

आज के दिन आप अपने करियर दाम्पत्य जीवन तथा माता पिता सहित संतान और परिवार के सदस्यों पर अधिक केन्द्रित हो सकते हैं। यदि आप नौकरी पेशा हैं तो आपको किसी अच्छे काम का पुरस्कार भी मिल सकता है।

आपको अपने मन पर पूरा ही नियंत्रण रखना पड़ेगा। किसी साथी या पड़ोसी के द्वारा कही गई बात पर आप अचानक ही भड़क सकते है, लेकिन ध्यान रखें कि झगड़ा मोल लेने के बाद सुलह सफाई करने की भी गुंजाइश रखनी चाहिए।

बृहस्पति ग्रह की सहायता से आप अपने कार्यक्षेत्र में इस समय अच्छी ख्याति और यश बटोर सकते हैं। अगर गंभीर होकर अपने कार्य में तत्पर हैं तो उन्नति की उच्च सीमा तक भी जा सकते हैं। समय का सहयोग अगर मिलता रहा और आपकी इच्छा शक्ति इसी तरह से कायम रही तो वह समय भी दूर नहीं होगा।

डॉ. शिल्पा जैन
(एस्ट्रोलॉजर)
मो. 942560752

सम्मान समारोह के साथ सम्पन्न हुआ 7वां फिल्म फेस्टिवल

ग्लोबल ताज इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखी विदेशी फिल्में

■ दर्शकों का रहा जमावड़ा

एनएनआई

आगरा। फिल्म फेस्टिवल में फिल्मों के सफर में हरियाणा, मुंबई, ईरान, कजाकिस्तान, कोटा, अमेरिका, उज्बेकिस्तान, स्विट्जरलैंड, पाकिस्तान, गुजरात, आदि जगहों की फिल्म्स पसंद की गई।

डीएम अदिति की रोशनी, मुआवजा, रक्तबीज, संस्कार, हॉरर फिल्में , दरमियाँ आदि फिल्म्स पसंद आई। फेस्टिवल फाउंडर डायरेक्टर सूरज तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया और इंडियल आइडल फेम अंकिता मिश्रा को बॉलीवुड के दो गीत गाने का आश्वासन दिया जो मुंबई में उनके म्यूजिक प्रोड्यूसर विष्णु देव दे रहे हैं। इसके साथ ही प्रसिद्ध गायक शंकर साहनी को दादा साहेब लाइफटाइम सम्मान और अंकिता मिश्रा को सरस्वती बाई दादा साहेब लाइफटाइम सम्मान दिया गया। आईटीएचएम डॉ. भीमराव आंबेडकर की फिल्म द स्कूल डेज को स्टूडेंट्स ने फिल्ममेकिंग वर्कशॉप के बाद बनाया जो पसंद की गईं और अवार्ड भी दिया गया। प्रो. आशु रानी कुलपति डॉ. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी आगरा ने कहा कि विश्वविद्यालय जल्द ही सिनेमा को लेकर कुछ कोर्स शुरू करेगा जिसका लाभ नई जनरेशन को होगा,हम नवाचार पर ध्यान दे रहे हैं, सृजनात्मकता के साथ आने वाले और विश्वविद्यालय को लाभ देने वाली संस्थाओं का स्वागत है। प्रो.यू एन शुक्ला निदेशक आईटीएचएम डॉ. भीमराव आंबेडकर यूनिवर्सिटी ने कहा कि विश्वविद्यालय के छात्र रचनात्मकता की एक्टिविटी में भाग लेना छह रहे हैं, जिसका नतीजा ये बैंकिंग एक वीक के फिल्ममेकिंग वर्कशॉप के बाद स्टूडेंट्स ने फिल्म बनाई और उन्हें अवार्ड भी मिला जो बड़ी बात है। रनधीर शर्मा मॉरीशस सर्वश्रेष्ठ रैप श्रेणी (गीतकार, संगीतकार, गायक),संस्कृति शर्मा एआई शॉर्ट फि ल्म में सर्वश्रेष्ठ कहानी, निवेदिता शुक्ला तिवारी, सर्वश्रेष्ठ शॉर्ट फिल्म, मुआवजा, अनिल जैन एवं गौरव शर्मा, सर्वश्रेष्ठ सामाजिक जागरूकता फिल्म संस्कार, वी.के. राजु सर्वश्रेष्ठ पर्यावरण आधारित फीचर फि ल्म बेस्ट मीनिंगफुल फि ल्म लिप्सः अंश दीक्षित,बीट डेब्यूटेंट फि ल्म द कॉलेज डेज आई टी एच एम डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, बेस्ट ए आई शोर्ट फि ल्म डी एम अदिति की रोशनी संस्कृति शर्मा, अटेंशन क्राइम रजनी शर्मा और सुनील बिरथरे आदि थे।

ताजमहल के पास कूड़े में लगी आग, धुएँ की चादर से ढका क्षेत्र

एनएनआई

आगरा। ताजमहल के संरक्षण को लेकर कड़े नियमों के बावजूद सोमवार को स्मारक के समीप कूड़े के बड़े ढेर में आग लगा दी गई। दोपहर करीब एक बजे आगरा किले और ताजमहल के बीच स्थित कॉरिडोर क्षेत्र में जमा कूड़ा धधकने लगा, जिससे लगभग एक घंटे तक क्षेत्र में धुएँ का गुबार छाया रहा। धुएँ के कारण कुछ समय के लिए आगरा किले से ताजमहल का दृश्य धुंधला हो गया। आश्चर्यजनक यह रहा कि आग पर काबू पाने का प्रयास लंबे समय तक किसी स्तर पर नहीं किया गया। शहर में कूड़ा जलाने पर सख्त प्रतिबंध है, विशेष रूप से ताज ट्रिपेज़ियम क्षेत्र (टीटीजेड) में। ताजमहल के 500 मीटर दायरे में ईंधन से चलने वाले चारपहिया वाहनों तक पर रोक है, ताकि स्मारक को प्रदूषण से बचाया जा सके। इसके बावजूद कूड़ा जलाए जाने की घटना प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़ा करती है। नागरिकों और पर्यावरणप्रेमियों ने ऐसी घटनाओं को ताजमहल की सुरक्षा के लिए हानिकारक बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

वार्षिकोत्सव में बच्चों ने दिया हेल्थी फूड के सेवन का संदेश

निदेशक ने अतिथियों और अभिभावकों का किया आभार व्यक्त

एनएनआई

आगरा। सिम्बॉयजिया स्कूल, न्यू गोविंद नगर, शाहगंज में सोमवार को रंगारंग वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, रामलाल आश्रम प्रबंधक शिव प्रसाद शर्मा, कावेरी ग्रुप के मैनेजिंग डायरेक्टर जेएस फौजदार, विद्यालय निदेशक डॉ. जीएस राना और निर्देशक डॉ. अनीता राना एवं डॉ. अनुराग सिंह राना ने किया। वार्षिकोत्सव में सर्वप्रथम विद्यालय की छात्राओं ने मां सरस्वती की वंदना पर मनमोहक प्रस्तुत देकर सभी अतिथियो और अभिभावकों को मंत्रमुग्ध किया।

इसके उपरांत प्री-प्राइमरी के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने दूध, सब्जी, फल आदि के कैटलॉग व फैंसी ड्रेस पहनकर रैंप पर कैटवॉक कर हेल्थी फूड के लिए सभी को प्रेरित किया। छात्रों ने बैंड पर शानदार प्रस्तुति देकर सभी को थिरके के लिए मजबूर किया, तो वहीं राजस्थानी नृत्य की पारंपरिक छटा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। छात्रों ने ऐतिहासिक और सामाजिक संदर्भों पर आधारित नाटक का शानदार मंचन कर वीरांगना अहिल्याबाई के जीवन मूल्यों और नेतृत्व को जीवंत किया और ऑपरेशन सिंदूर नाटक से सभी को देशभक्ति का संदेश दिया। इस दौरान प्रधानाचार्या ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट का अवलोकन कराया। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और उनकी छिपी प्रतिभाओं को मंच मिलता है। अंत में विद्यालय निदेशक डॉ. जीएस राना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

प्रतिबंधित पॉलीथिन पर बड़ी कार्रवाई, 4500 किलो कैरी बैग जब्त

एनएनआई

आगरा। प्रतिबंधित पॉलीथिन के खिलाफ चल रहे संयुक्त अभियान के तहत राज्य कर विभाग की सचल दल सप्तम इकाई को बड़ी सफलता मिली है। नियमित जांच के दौरान एक ट्रक को रोका गया, जिसमें अन्य सामानों के साथ भारी मात्रा में अवैध पॉलीथिन कैरी बैग लदे मिले। जांच में 162 नग पॉलीथिन बैग बरामद हुए, जिनका कुल वजन 4,500 किलो पाया गया। बताया गया कि यह प्रतिबंधित पॉलीथिन राजस्थान से आगरा लाई जा रही थी और बाद में इसे शहर के खुदरा विक्रेताओं को बेचा जाना था। नगर निगम की टीम ने पॉलीथिन को अपने कब्जे में लेकर निर्धारित प्रक्रिया अनुसार नष्ट कराने की तैयारी शुरू कर दी है। फर्म पर एक लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि यह पॉलीथिन पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक श्रेणी में आती है, और इसका प्रतिबंध के बावजूद उपयोग होना चिंता का विषय है। नगर निगम इससे पहले भी ऐसी कई कार्रवाई कर चुका है, लेकिन बाजार में प्रतिबंधित पॉलीथिन का उपयोग अब भी जारी है, जो पर्यावरण और स्वच्छता दोनों के लिए गंभीर समस्या बन रहा है।

आगरा रेल मंडल : तीन दिन बंद रहेगा अर्जुन नगर रेलवे फाटक

एनएनआई

आगरा। आगरा रेल मंडल ने अर्जुन नगर स्थित रेलवे फाटक संख्या 75A को तीन दिन के लिए बंद करने का निर्णय लिया है। रेलवे के अनुसार बारह खम्भा क्षेत्र में स्थित इस फाटक पर आवश्यक मरम्मत कार्य किया जाना है, जिसके दौरान यहां से सभी प्रकार का यातायात पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। रेलवे प्रशासन ने असुविधा के लिए खेद जताते हुए लोगों से अपील की है कि मरम्मत अवधि में खेरिया पुल-ईदगाह-छऊआ नगला मार्ग का उपयोग करें। अधिकारियों का कहना है कि रेल सुरक्षा की दृष्टि से यह कार्य अत्यंत आवश्यक है, जिसे फाटक बंद किए बिना संभव नहीं है। मरम्मत कार्य 18 नवंबर को सुबह 6 बजे शुरू हुआ, जो 20 नवंबर की रात 8 बजे तक जारी रहेगा। इस मार्ग से बड़ी संख्या में छोटे और बड़े वाहन गुजरते हैं, इसलिए प्रशासन ने वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी है, ताकि यातायात और रेलवे कार्य सुचारु रूप से चलता रहे।

गोस्वामी समाज सेवा समिति का हुआ संगठन विस्तार

आगरा (एनएनआई)। तहसील खेरागढ़ के अध्यक्ष सुरेश चंद गोस्वामी को सर्वसहमति से नियुक्त किया गया। गोस्वामी समाज सेवा समिति संगठन को और मजबूती देने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में संस्थापक बंगाली बाबू, अध्यक्ष आनंद गोस्वामी, उपाध्यक्ष भरत गोस्वामी, रणवीर सिंह, श्याम कुमार, बच्चू गोस्वामी, सुरेश चंद, धर्मेंद्र, दीपू, सचिन एवं समस्त समाज बंधु मौजूद रहे।

आठ दिन पहले बनी सड़क पर हुए गड्ढे

आगरा (एनएनआई)। ताजगंज क्षेत्र के वार्ड 98 पुरानी मंडी चौराहे के पास 8 दिन पहले बनी सड़क पर गड्ढे हो गए हैं। सपा नेता रजत फौजदार का कहना है कि आगरा नगर निगम द्वारा 8 या 10 दिन पहले सड़क बनाई गई थी। उन्होंने संबंधित ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही करने और सड़क निर्माण में गुणवत्ता की जांच की मांग की है।